RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 136 , सोमवार, 29 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

विश्व पटल पर भारतीय रेत कला का गौरवः मधुरेंद्र कुमार को अमेरिका इंटरनेशनल ... 03

लायंस क्लब ऑफ बीरगंज मेट्रो सिटी का पदभार ग्रहण समारोह संपन्न, नई टीम ने संभाली ... 04

बेबी डू डाई का ट्रेलर जारीः हुमा कुरैशी निभाएंगी भारतकी पहली... 07

संक्षिप्त समाचार

500 शहरों में चलने वाली भारत टैक्सी सेवा शुरू

- गृह मंत्री अमित शाह ने दिखाई हरी झंडी, गुजरात से शुरुआत

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात के 14 शहरों में शनिवार को भारत टैक्सी योजना शुरू हो गई। गुजरात की राजधानी गांधीनगर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस टैक्सी योजना का लोकार्पण किया। कहा कि आगामी दो वर्ष में भारत टैक्सी योजना देश के 500 प्रमुख शहरों में चालू हो

जाएगी। भारत टैक्सी देश की पहली सहकारिता पर आधारित जन परिवहन योजना है जिसमें ड्राइवर खुद अपनी गाड़ी चलाकर लोगों को आवागमन की सेवा देता है। यह योजना केंद्र सरकार और कई अन्य एजेंसियों के सहयोग से चलाई जा रही है। इस सेवा में किसी को भी कमीशन नहीं मिलेगा। इसके चलते ग्राहकों को अपेक्षाकृत सस्ती सेवा मिलेगी और टैक्सी स्वामी ड्राइवर को सेवा का ज्यादा लाभ हासिल होगा। अगले दो वर्षों में यह टैक्सी सेवा देश के 500 शहरों में कार्य करने लगेगी। जिन शहरों में इसे प्राथमिकता के आधार पर चलाने की योजना है उनमें नागपुर, पुणे, मुंबई, लखनऊ, चंडीगढ़, जयपुर और कोलकाता हैं।

अमेरिका ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर किया हमला

- ट्रम्प बोले-ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा। ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर उन्होंने कहा, लगता है ईरान कभी नहीं सुधरेगा, लेकिन हम और संयम नहीं बरत पाएंगे। एक समय ऐसा भी आ सकता है जब हमें उस सैन्य अभियान को पूरा करना पड़ेगा, जिसकी शुरुआत हमने बहुत सफल तरीके से की थी। अगर ऐसा हुआ तो ईरान का अस्तित्व

ही नहीं बचेगा। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक नौसेना ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमला किया। ये हमले होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरानी ठिकानों पर किए गए। यह कार्रवाई 'एम/टी किकु' नाम के तेल टैंकर पर हुए ईरानी ड्रोन हमले के जवाब में की गई है। दूसरी ओर, ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस और बहरीन में अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट बेस पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया।

पाकिस्तान के कराची में पैरामिलिट्री हेडक्वार्टर पर आतंकी हमला

- हर ओर मचा कोहराम, 4 सुरक्षाकर्मियों और 6 आतंकियों की मौत

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के कराची में शनिवार रात आतंकियों ने सिंध रेंजर्स के पैरामिलिट्री हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया। हमला रात करीब 8.30 बजे गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में हुआ। इसमें चार रेंजर्स की मौत हो गई।

जवाबी कार्रवाई में छह आतंकी मारे गए, जबकि एक आतंकी को घायल हालत में गिरफ्तार कर लिया गया। एजेंसी के मुताबिक, आतंकी गाड़ी से मैन गेट तोड़ते हुए परिसर में घुसे। इसके बाद उन्होंने हैंड ग्रेनेड फेंके और फायरिंग शुरू कर दी, जिससे कई धमाके हुए। करीब 90 मिनट तक चली मुठभेड़ के बाद स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट (एसएसयू), एंटी टेररिस्ट फोर्स (एटीएस) और रेंजर्स ने सभी हमलावरों को काबू कर लिया।

सेशेल्स ने दिया पीएम मोदी को सबसे बड़ा सम्मान

राष्ट्रपति ने 'गॉर्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन' से नवाजा

विक्टोरिया (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में नेतृत्व के लिए सेशेल्स की ओर से देश का सर्वोच्च सम्मान 'गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन' प्रदान किया गया है। रविवार को राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उन्हें ये सम्मान दिया। गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन सम्मान प्रधानमंत्री मोदी की लंबे समय से जारी उस नीति और दृष्टिकोण को

मान्यता देता है, जिसमें सतत विकास, हरित विकास और पर्यावरण-अनुकूल नीतियों पर जोर दिया गया है। रविवार को स्टेट हाउस में प्रधानमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। दोनों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

पीएम मोदी के 'ग्रीन विजन' को मान्यता

यह उपाधि उन कई वैश्विक मान्यताओं में नवीनतम है, जो प्रधानमंत्री मोदी को जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए मिल चुकी हैं। पिछले महीने मई 2026 में, संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने उन्हें कृषि क्षेत्र को मजबूत करने, खाद्य सुरक्षा बढ़ाने और सतत कृषि को प्रोत्साहित करने के लिए एग्रीकोला मेडल प्रदान किया था।

- अगस्त से पहला बैच शुरू होगा, विदेश जैसी ही डिग्री मिलेगी

15 विदेशी यूनिवर्सिटी को भारत में कैंपस खोलने की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अब विदेशी यूनिवर्सिटी की डिग्री लेने के लिए विदेश जाने की जरूरत नहीं होगी। केंद्र सरकार अब तक 15 विदेशी विश्व विद्यालयों को भारत में कैंपस खोलने के लिए लेटर ऑफ इंटेंट जारी कर चुकी है। इनमें ज्यादातर कैंपस अगस्त से पहला बैच शुरू करेंगे। शुरुआती चरण में हर कैंपस में 200 से 250 छात्रों को दाखिला दिया जाएगा। अगले पांच सालों में इसे बढ़ाकर हर कैंपस में सालाना 1,000 से 1,200 छात्रों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु में यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन, ब्रिस्टल, यॉर्क, इलिनोइस टेक, लिवरपूल और विक्टोरिया यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान अपने कैंपस खोल रहे हैं। मौजूदा सत्र के लिए 10 हजार से ज्यादा आवेदन मिल चुके हैं। विदेशी विश्व विद्यालयों के भारतीय कैंपस में पढ़ाई, परीक्षा, मूल्यांकन और डिग्री पूरी तरह उनके होम कैंपस के वैश्विक मानकों के मुताबिक होगी।

भारत में कैंपस खोलने की वजह भी बताई

यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क के वाइस-चांसलर प्रो. चार्ली जेफरी ने कहा- भारत इस समय दुनिया के सबसे अहम शिक्षा बाजारों में से एक है। हम भारतीय छात्रों को अपने होम कैंपस जैसी पढ़ाई और अवसर देना चाहते हैं। इसी दिशा में हमने एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई के साथ भी समझौता किया है, ताकि छात्रों को टेक स्टार्टअप्स और इंडस्ट्री से जुड़ने का मौका मिले। वहीं, इलिनोइस टेक के वाइस प्रेसीडेंट मल्लिक सुंदरम ने कहा, 'हम अमेरिका और दूसरे देशों से प्रोफेसरों की भर्ती कर रहे हैं। साथ ही ऐसे भारतीय शिक्षकों को भी जोड़ रहे हैं, जिन्होंने अमेरिकी विश्वविद्यालयों से पढ़ाई की है, ताकि छात्रों को भारत में भी वही माहौल और पढ़ाई मिल सके, जो हमारे विदेशी कैंपस में मिलती है।'

लोहगढ़ किले में उस दिन क्या हुआ, सीन रीक्रिएट

सिया और चेतन को लेकर पहुंची पुलिस, हर एंगल से की जांच

पुणे (एजेंसी)। रियल एस्टेट बिजनेसमैन केतन अग्रवाल के मर्डर केस में रविवार को दोनों आरोपियों सिया गोयल और चेतन चौधरी को पहाड़ी की चोटी पर ले जाया गया ताकि क्राइम सीन को फिर से बनाया जा सके और यह समझा जा सके कि हत्या के दिन घटनाएं कैसे घटी थीं। यह कार्रवाई 18 जून की उस घटना की चल रही जांच का हिस्सा है, जिसमें अग्रवाल को कथित तौर पर 20 साल की सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी ने किले से नीचे धकेल दिया था। पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि अपराध को फिर से समझने के लिए आरोपियों को उस जगह ले जाया गया, जहां घटना हुई थी। उन्होंने बताया, आरोपियों को लोहगढ़ किले ले जाया गया है, खासकर उस जगह पर जहां घटना हुई थी ताकि घटनाक्रम को फिर से दोहराया जा सके। पूरी घटना का क्रम फिर से तैयार किया जा रहा है। कौन सा रास्ता अपनाया गया, आरोपी कहां खड़े थे, उन्होंने क्या-क्या किया और घटना कैसे हुई। आरोपियों ने इस बारे में जानकारी दी है। पुणे ग्रामीण पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सिया गोयल को उस जगह ले जाया गया, जहां से कथित तौर पर पीड़ित को धक्का दिया गया था। अधिकारी ने कहा,सिया को लोहागढ़ किले में उस जगह ले जाया गया, जहां से उसने चेतन चौधरी के साथ मिलकर कथित तौर पर अग्रवाल को धक्का देकर मार डाला था। चेतन को किले में अलग से ले जाया जाएगा।

घटना का किया गया रिक्रिएशन

अधिकारियों ने कहा कि घटना को दोबारा दोहराकर आरोपी के उन दावों की पुष्टि करने में मदद मिलेगी कि अग्रवाल को कैसे और कहां से धक्का दिया गया था। पुलिस के अनुसार, इस प्रक्रिया में घटना वाली जगह पर घटनाओं की पूरी कड़ी को फिर से दोहराया जाता है, जिसमें घटना के दिन आरोपी की गतिविधियां और हरकतें भी शामिल होती हैं। घटनास्थल पर घटना को दोहराने की प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जा रही है। जांचकर्ता इस बात की जांच कर रहे हैं कि आरोपी किले तक कैसे पहुंचे, घटना के समय उनकी स्थिति क्या थी और घटनाएं किस क्रम में हुईं। पुलिस ने यह भी बताया कि इस कवायद का मकसद यह समझना है कि दोनों आरोपियों ने कथित तौर पर पीड़ित को पहाड़ी से कैसे नीचे धकेला, घटना से पहले गोयल ने क्या इशारा किया था और चेतन ने किले में सिया और केतन का पीछा कैसे किया। पुलिस इस बात की भी पुष्टि कर रही है कि क्या चेतन बिना टिकट के उस जगह पर पहुंचा था और लगातार सिया और चेतन पर नजर रखे हुए था। सिया गोयल और चेतन चौधरी को केतन अग्रवाल की हत्या की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांचकर्ताओं के अनुसार, सिया ने पुलिस को बताया कि वह केतन से शादी नहीं करना चाहती थी और उसे डर था कि शादी तोड़ने से उसके परिवार की बदनामी होगी।

अयोध्या की बनी पहचान मथुरा की मुक्ति पर बोलिए

सीएम योगी की अखिलेश को चुनौती, बोला तीखा हमला

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को दावा किया था कि उनकी सरकार आई तो अयोध्या को धार्मिक सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। अखिलेश के इसी दावे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार की तीखा हमला किया। सीएम योगी ने अखिलेश यादव को चुनौती देते हुए कहा कि अयोध्या की पहचान बन चुकी है। अगर हिम्मत है तो यही बात मथुरा के लिए बोलकर दिखाइए। यह बोलकर दिखाइए कि जैसे अयोध्या के लिए श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन चला उसी तरह श्रीकृष्ण मुक्ति के लिए आंदोलन चलना चाहिए। सीएम योगी हाथरस में करोड़ों की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल अखिलेश यादव का एक बयान पढ़ रहा था।

अयोध्या के लिए पश्चाताप, रामलला का जाकर दर्शन कीजिए

योगी ने कहा कि अखिलेश जी अयोध्या को तो रामभक्तों ने सजा और संवार दिया है। आप उसकी चिंता मत कीजिए, पश्चाताप कीजिए। एक बार कम से कम रामलला का दर्शन कर लीजिए, उसी से सद्बुद्धि आएगी। अब तैयारी कीजिए कि हम कृष्ण कन्हैया के लिए भी कुछ कर सकें। अब मथुरा की बात कीजिए।

पीएम मोदी बोले-योग में भारत ने 114 पदक जीते

समुद्र से आकाश तक भारत हर तरह से सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 135वें एपिसोड में कहा, भारत समुद्र से लेकर आसमान तक सुरक्षित है। इसी महीने डीआरडीओ ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया। पीएम मोदी ने कहा- जून के महीने में ही देश ने विमानन क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। मेड इन इंडिया अभियान के तहत तैयार किए गए सी-295 विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी कर ली है। वर्तमान में ऐसे 40 विमान भारत में ही बनाए जा रहे हैं। पीएम ने कहा कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर योग के कई कार्यक्रम हुए। भारत ने अहमदाबाद में आयोजित विश्व योगासन चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 114 मेडल जीते हैं। इनमें 102 गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। भारत पदक तालिका में पहले स्थान पर रहा है।

असम-हरगिला आर्मी ने पुरानी सोच बदली

पीएम मोदी ने कहा कि असम में एक पक्षी पाया जाता है। उसका नाम हरगिला है। हरगिला एक दुर्लभ पक्षी है। ये प्रकृति को स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभाता है लेकिन असम के कुछ इलाकों में लंबे समय तक इसे अशुभ माना जाता था। लोग इसे अपने आसपास देखना पसंद नहीं करते थे। कई बार उन पेड़ों को भी काट दिया जाता था जिन पर हरगिला के घोसले बने होते थे। इसी दौरान जीव-वैज्ञानिक पूर्णिमा देवी बर्मन ने ये सब देखा। उन्होंने लोगों के मन में बैठी गलत धारणा को बदलने का संकल्प लिया। उन्होंने महिलाओं से बात की, लोगों को विज्ञान के आधार पर समझाया।

मन की बात में नॉर्थ ईस्ट के 3 राज्यों का जिक्र

शादी के लिए सोना रीसाइकल कर रहे लोग पीएम मोदी ने कहा कि मैंने बीते दिनों लोगों से कुछ समय तक सोना ना खरीदने, विदेश यात्रा टालने या कार पूलिंग की अपील की थी मैं देश के हर नागरिक का आभारी हूं कि मेरी अपील का उन्होंने न सिर्फ समर्थन किया बल्कि उसमें सहयोग कर रहे हैं। कई परिवारों ने तय किया है कि घर के विवाह में सोना नहीं खरीदेंगे। जरूरत हुई तो वे पुराने सोने को ही रिसाइकल करेंगे।

उपचुनाव से ठीक पहले स्टालिन को झटका

एमडीएमके ने छोड़ा साथ, टीवीके का करेगी समर्थन

चेन्नई (एजेंसी)। वाइको के नेतृत्व वाली मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) ने शनिवार को द्रमुक नीत सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) से नाता तोड़ने का ऐलान कर दिया। पार्टी ने आरोप लगाया कि द्रमुक ने विधानसभा चुनाव के बाद अन्नाद्रमुक की सरकार बनवाने की कोशिश की, जिससे गठबंधन की वैचारिक प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े हो गए।

एमडीएमके प्रमुख वाइको ने कहा कि उनकी पार्टी अब विधानसभा उपचुनावों में सत्तारूढ़ टीवीके का समर्थन करेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निकाय चुनावों में भी पार्टी टीवीके के साथ गठबंधन को मजबूत करने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा, सरकार अच्छा काम करेगी तो हम उसकी सराहना करेंगे और गलतियों पर सवाल भी उठाएंगे। वाइको ने द्रमुक पर 2026 के विधानसभा चुनाव में एमडीएमके उम्मीदवारों को द्रमुक के उगते सूरज चुनाव चिह्न पर लड़ने का दबाव बनाने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि अन्य सहयोगी दलों–वीसीके, आइयूएमएल और वामपंथी दलों–पर ऐसी कोई शर्त नहीं थी। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस तरह की राजनीति स्वस्थ कही जा सकती है। एमडीएमके की सामान्य परिषद ने पारित प्रस्ताव में आरोप लगाया कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद पर्दे के पीछे ऐसी राजनीतिक कवायद हुई, जिसका उद्देश्य अन्नाद्रमुक की सरकार बनवाना था।

रामर्मंदिर चढ़ावा चोरी

8 आरोपियों के घर पुलिस की एक साथ छापेमारी

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जेल में बंद 8 आरोपियों के घर पर रविवार सुबह 7 बजे पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस की 8 टीमों ने एक साथ, एक ही वक्त पर आरोपियों के घर पर दबिश दी।

- टिन्नू के घर अलमारी-बक्से खंगाले इंद्रेश बोले-दोषियों को नहीं बख्शेंगे

इस दौरान 3 आरोपियों के घर पर ताला लगा था। पुलिस ने पड़ोसियों से सवाल-जवाब किए। छापेमारी के दौरान चंपत राय के करीबी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर पर ताला लगा मिला। कुछ देर बाद टिन्नू की मां मौके पर पहुंचीं और ताला खोला। पुलिस ने अंदर जांच पड़ताल की। पुलिस टिन्नू के घर से थोड़ी दूर पर भतीजे आरोपी मनीष यादव के घर पहुंची तो वहां भी ताला लगा था। वहीं, आरोपी सुभाष चंद्र श्रीवास्तव के घर पर भी ताला लगा मिला। आरोपी अनुकल्प मिश्रा के घर पर भी छापेमारी हुई। खरीदी गई संपत्तियों के दस्तावेज और बैंक अकाउंट डिटेल खंगाले गए। परिजनों के बयान दर्ज किए गए। छापेमारी में राजस्व अधिकारियों खासकर लेखपालों को शामिल किया गया। आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा- एसआईटी मामले की जांच कर रही है। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। अयोध्या का राम राज्य ऐसा है कि अपराधियों को कभी माफ नहीं किया जाता। उन्हें सजा दी जाती है। जल्दबाजी करने या राजनीतिक रंग देने की कोई जरूरत नहीं है। चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया।

अपराधियों को कभी माफ नहीं किया जाएगा, सजा होगी

आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा– एसआईटी इस मामले की जांच कर रही है। सरकार, ट्रस्ट और संगठन यानी विश्व हिंदू परिषद जरूरी कदम उठा रहे हैं। इसलिए, देश को राजा, संगठन और ट्रस्ट पर भरोसा है। अगर कोई गड़बड़ी हुई है, तो अयोध्या का राम राज्य ऐसा है कि अपराधियों को कभी माफ नहीं किया जाता। उन्हें सजा दी जाती है। मामले को राजनीतिक रंग देने की कोई जरूरत नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

राजापाकर थाना अध्यक्ष के सिर में लगे 6 टांके

हाजीपुर। वैशाली में ताजिया जुलूस विसर्जन के दौरान राजापाकर थाना अध्यक्ष गौरीशंकर बैठा पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके सिर में छह टांके लगे हैं। थाना अध्यक्ष गौरीशंकर बैठा ने बताया कि प्रशासन द्वारा शांति समिति की बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों का किसी भी आयोजन समिति या लाइसेंसधारी ने पालन नहीं किया। उन्होंने बताया कि राजापाकर बाजार में निकाली गई ताजिया जुलूस में सबसे पहले तकिया टोला के बुढ़वा अखाड़ा के लाइसेंसधारी ने निर्धारित मार्ग का उल्लंघन किया और दूसरे मार्ग से राजापाकर बाजार पहुंच गए, जबकि उनके ताजिया का विसर्जन सबसे पहले होना था। इसके बाद भुवनेश्वर चौक दर्जी टोला से निकले इस्लामिया अखाड़े के ताजिया को विसर्जन के लिए लाया जा रहा था। इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्व उग्र हो गए और उन्होंने थाना अध्यक्ष गौरीशंकर बैठा पर घातक हमला कर दिया। हमलावरों ने उनके सिर पर वार किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों की मदद से उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजापाकर ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। डॉक्टरों के अनुसार, थाना अध्यक्ष अब खतरे से बाहर हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। महुआ एसडीपीओ संजीव कुमार वज्र वाहन और पुलिस बल के साथ राजापाकर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। कुछ देर बाद देर रात वैशाली एसपी शुभांक मिश्रा भी राजापाकर पहुंचे और मौजूदा स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान राजापाकर प्रखंड विकास पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह सेंगर, अंचलाधिकारी गौरव कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी घटनास्थल पर मौजूद थे और उन्होंने निरीक्षण किया। एसडीपीओ महुआ ने घटनास्थल के पास एक ज्वेलरी दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर अपने कब्जे में ले लिया। उन्होंने बताया कि डीवीआर फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। समाचार लिखे जाने तक मामले की छानबीन जारी थी।

नोएडा में रोड एक्सीडेंट, प्रवासी मजदूर की मौत, रोड क्रॉस करते समय पिकअप ने मारी टक्कर

हाजीपुर। दिल्ली से सटे नोएडा में एक सड़क दुर्घटना में वैशाली जिले के एक प्रवासी मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान 30 वर्षीय पप्पू कुमार के रूप में हुई है, जो महुआ थाना क्षेत्र के रसलपुर उर्फ मधौल वार्ड-15 के निवासी थे। वह भजन राय के पुत्र थे। पप्पू कुमार दिल्ली में रहकर मजदूरी करते थे और अपनी कमाई से परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी मृत्यु की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में मातम छा गया। मृतक की मां गिरजा देवी, पिता भजन राय, पत्नी रूबी कुमारी, भाई पवन कुमार और पंकज कुमार गहरे सदमे में हैं। उनके दो बच्चे, पुत्र आदित्य और पुत्री साक्षी भी इस घटना से आहत हैं। बड़ी संख्या में ग्रामीण मृतक के घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दे रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व जिला परिषद सदस्य अशोक कुमार अकेला सहित कई स्थानीय लोगों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित सरकारी सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है।

छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या, सिर में चोट लगने के कारण गई जान, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मुसहरी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। यह घटना रविवार सुबह नवादा चौक के पास मानशाही नवादा गांव में हुई। मृतक की पहचान 40 साल के संतोष महतो के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, संतोष महतो और उनके छोटे भाई अशोक महतो के बीच घर में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ने पर अशोक महतो ने घर में रखे जांता (पत्थर का उपकरण) से संतोष महतो के सिर पर वार कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी अशोक महतो मौके से फरार हो गया। शोर सुनकर परिवार और आसपास के लोग इकट्ठा हुए। सूचना मिलते ही मुसहरी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसकेएमसीएच) भेज दिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी छोटे भाई अशोक महतो को हिरासत में ले लिया है और आगे की जांच जारी है। इस मामले पर एसडीपीओ पूर्वी-2 मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मुसहरी थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के दौरान एक व्यक्ति की हत्या की गई है। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण व्यक्ति की मौत हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन की जा रही है। हत्या का आरोप मृतक के छोटे भाई पर है, पुलिस की टीम की ओर से तत्काल उसके आरोपी भाई को हिरासत में ले लिया गया है और पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। अब तक किसी प्रकार की कोई लिखित शिकायत पुलिस को नहीं मिली है।

मुजफ्फरपुर के कांटी स्टेशन पर मजदूर का शव मिला, कान-मुंह से खून निकल रहा था

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के कांटी रेलवे स्टेशन पर रविवार को एक मजदूर का शव बरामद किया गया है। यह शव प्लेटफार्म नंबर एक पर स्टेशन मास्टर के कमरे से लगभग सौ मीटर की दूरी पर मिला। मृतक के कान और मुंह से खून निकल रहा था। पुलिस ने रेल से गिर कर मौत की आशंका जताई है। स्थानीय नागरिकों ने तत्काल इसकी सूचना प्रशासन और पुलिस को दी। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम और रेलवे पुलिस (जीआरपी) बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है और आवश्यक सबूत जुटा रही है। पुलिस की शुरुआती जांच और स्थानीय लोगों की मदद से मृतक युवक की पहचान हो गई है। उसकी पहचान कांटी प्रखंड के कुसी हरपुर होरिल गांव निवासी स्वर्गीय उमाशंकर ठाकुर के बेटे विपुल कुमार उर्फ वीजन (30) के रूप में हुई है। विपुल कुमार उर्फ वीजन के माता-पिता का पहले ही देहांत हो चुका था। माता-पिता के निधन के बाद घर में केवल दो भाई ही थे। विपुल गांव में रहकर कांटी रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में मजदूरी करता था। उसका दूसरा भाई झारखंड के जमशेदपुर में मजदूरी करता है। दोनों भाई मजदूरी करके अपना जीवन यापन कर रहे थे। चर्चा है कि आपसी रंजिश में हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। कुछ लोग हादसे की भी आशंका जता रहे हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर गहराई से जांच कर रही है। रेल थाना पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को अपने कब्जे में ले लिया है। पंचनामा तैयार करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मुजफ्फरपुर के श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (SKMCH) भेज दिया गया है।

मुजफ्फरपुर में महिला मजदूर की करंट लगने से मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के सकरा थाना क्षेत्र के मारकन गांव में रविवार सुबह करंट लगने से एक महिला मजदूर की मौत हो गई। घटना के बाद मृतका के परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा किया। मृतका की पहचान मारकन गांव निवासी रामकरण राम की पत्नी मछिया देवी के रूप में हुई है। मछिया देवी एक गरीब परिवार से थीं और अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए मजदूरी करती थीं।व ह पिछले कई साल से गांव के ही रहने वाले अमल सिंह के घर पर गायों की देखरेख और उन्हें चारा खिलाने का काम करती थीं। रविवार सुबह भी वह हमेशा की तरह काम पर गई थीं। मवेशियों को चारा खिलाने के बाद, जब वह पानी भरने के लिए बिजली के मोटर के पास पहुंचीं, तभी वह करंट की चपेट में आ गईं। मोटर में पहले से ही बिजली का करंट उतर आया था (लीकेज था), जिससे लोहे के पाइप या पानी में करंट प्रवाहित हो रहा था। करंट का झटका इतना जोरदार था कि मछिया देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। शोर सुनकर आसपास के भारी संख्या में ग्रामीण और मृतका के परिजन वहां इकट्ठा हो गए। आनन-फानन में बिजली आपूर्ति बंद कराई गई, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। हादसे के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने स्थानीय प्रशासन और सरकार से मुआवजे की पुरजोर मांग की है। मृतका के परिजनों का कहना है कि परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय है।

पालीगंज में तेज रफ्तार ट्रक ने अधेड़ को कुचला, मौत

एजेंसी, पटना

- सड़क पार करने के दौरान चपेट में आए, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

पटना जिले के पालीगंज थाना क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। महबलीपुर मोड़ के पास बालू लदे एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पार कर रहे व्यक्ति को कुचल दिया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 60 वर्षीय लिली चौधरी के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय श्रीलखन चौधरी के पुत्र बताए गए हैं।

हादसे के बाद ग्रामीणों का हंगामा, सड़क जामः जानकारी के मुताबिक, लिली चौधरी महबलीपुर बाजार आए थे और पैदल अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पार करते समय अरवल की ओर से आ रहे बालू लदे ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने महबलीपुर मोड़ के पास सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कुछ देर तक इलाके में यातायात भी प्रभावित रहा।

पुलिस ने संभाला मोर्चा, ट्रक जब्तः सूचना मिलने पर पालीगंज थाना की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया है। थानाप्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया, ग्रामीणों से सड़क हादसे में मौत की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी रही। ट्रक को जब्त किया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।'

मजदूर की तड़पकर संदिग्ध मौत काम करते-करते अचानक गिरा

एजेंसी, पटना

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत दुल्हिनबाजार थाना क्षेत्र में एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है, जिसमें मजदूर काम करते हुए अचानक गिरता दिखाई दे रहा है। मृतक की पहचान मनोहर ठाकुर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मनोहर ठाकुर बंधन बैंक की गली स्थित एक घर के बाहर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे जमीन पर गिर पड़े।

सामने आए फुटेज में दिख रहा है कि मनोहर ठाकुर गिरने के बाद कुछ देर तक वहीं पड़े रहे। इस दौरान आसपास से लोग गुजरते दिखाई दिए, लेकिन परिजनों का आरोप है कि किसी ने उन्हें तत्काल मदद नहीं पहुंचाई। कुछ देर बाद मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

घटना के बाद मृतक के परिजनों ने उस घर के मालिक पप्पू कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जहां मनोहर ठाकुर काम कर रहे थे। मृतक के भतीजे अमित कुमार ने बताया, 'बड़े पापा काम करने के लिए वहां गए थे। शाम को अचानक मौत की सूचना मिली।' उनका कहना है कि जब वे मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई, तब तक घर के मालिक पप्पू कुमार और अन्य लोग वहां से जा चुके थे। परिवार ने मौत के पीछे साजिश की आशंका जताई है। मामले में दुल्हिनबाजार थाना के थाना प्रभारी विकास कुमार ने बताया कि घटना से जुड़ा CCTV फुटेज सामने आया है और पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। थाना प्रभारी विकास कुमार ने कहा, 'परिजनों ने घर मालिक पर हत्या की साजिश का आरोप लगाया है, लेकिन फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।'

पटना साहिब गुरुद्वारा पहुंचे सद्गुरु जग्गी वासुदेव, सिरोपा व तलवार से हुआ सम्मान

एजेंसी, पटना

ईशा फाउंडेशन के संस्थापक और आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु (जग्गी वासुदेव) रविवार को तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब पहुंचे। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत किया। सिख परंपरा के अनुसार, उन्हें सिरोपा और तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया। गुरुद्वारा पहुंचने के बाद सद्गुरु ने मत्था टेका और अरदास की। उन्होंने देश, समाज और मानवता की खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

पटना साहिब पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा का केंद्र- सद्गुरुः इस अवसर पर सद्गुरु ने पटना साहिब गुरुद्वारे को केवल सिख समुदाय ही नहीं, बल्कि पूरे देश और दुनिया के लिए आस्था और प्रेरणा का महान केंद्र बताया। उन्होंने कहा, 'यह दशम गुरु गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की जन्मभूमि है, जिनके साहस, त्याग और आध्यात्मिकता का संदेश आज भी दुनिया को प्रेरित करता है।' सद्गुरु ने गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन को धर्म, सत्य, साहस और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा, 'ऐसे पवित्र स्थलों का दर्शन भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत को समझने का अवसर है।'

सद्गुरु ने समाज में शांति, भाईचारे और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने के लिए संतों और गुरुओं की शिक्षाओं को अपनाने का आह्वान किया। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सदस्यों ने सद्गुरु के आगमन को ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा, टविभिन्न आध्यात्मिक परंपराओं के प्रतिनिधियों का पटना साहिब आना आपसी सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और धार्मिक सौहार्द का प्रतीक है।'

खान सर ने अवैध हथियार से चलवाई थी गोली, आर्म्स वेरिफिकेशन में खुलासा, एक बॉडीगार्ड के पास परमिट नहीं

एजेंसी, पटना

पटना पुलिस की जांच में फैजल खान (खान सर) के दोनों बॉडीगार्ड्स के हथियारों के वेरिफिकेशन के दौरान अहम जानकारियां सामने आई हैं। इस दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जिस हथियार से गोली चलवाई गई थी, वह तालेबर सिंह (34), निवासी कासगंज (उत्तर प्रदेश) का है, लेकिन उसके नाम पर जारी हथियार लाइसेंस का परमिट पूरे भारत के लिए मान्य नहीं पाया गया। आरोप है कि उतर प्रदेश से बिहार में हथियार लेकर आने, हथियार लेकर सुरक्षा ड्यूटी करने के लिए तालेबर सिंह के पास वैध अनुमति नहीं थी। फिर भी वह बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। पुलिस ने फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियारों और उनके लाइसेंस की जांच के बाद कई बिंदुओं को अपडेटेड केस डायरी में शामिल किया है।

थाने को नहीं दी सूचना, वेरिफिकेशन भी नहीं कराया: पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तालेबर सिंह गैर कानूनी तरीके से हथियार लेकर बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया है कि बिहार में हथियार के साथ नौकरी करने की जानकारी स्थानीय प्रशासन, आर्म्स मजिस्ट्रेट या संबंधित थाने को नहीं दी गई थी, जो कानूनन अपराध है। बिना आवश्यक अनुमति के हथियार लेकर बिहार में काम करना कानून के दायरे में जांच का विषय है।

खान ने भी हथियार का वेरिफिकेशन नहीं कराया: खान सर ने तालेबर सिंह को बॉडी गार्ड के तौर पर हायर किया, उन्होंने भी कभी इसका पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराया। अपने साथ अवैध हथियार लेकर घूमते रहे और कथित तौर पर दहशत फैलाने के इरादे से फायरिंग भी करवा दी, जबकि उन्हें एक रिस्पॉन्सिबल व्यक्ति होने के चलते कानूनी प्रक्रिया को पूरा करना चाहिए था।

दूसरे बॉडीगार्ड के हथियार पर भी जांचः इसी तरीके से दूसरे बॉडीगार्ड प्रदीप कुमार का हथियार मैनपुरी यूपी का है। इस हथियार के

दूसरे के पास सेल्फ डिफेंस का लाइसेंस

वेरिफिकेशन के दौरान पता चला है कि ऑल ओवर इंडिया परमिट तो है, लेकिन ये प्रदीप के पिता की हत्या के बाद सेल्फ डिफेंस के लिए प्रोवाइड किया गया था, जिसका गलत इस्तेमाल इसने सिक्योरिटी एजेंसी के साथ मिलकर निजी फायदे के लिए किया। यह आर्म्स लाइसेंस के मानकों के अनुरूप नहीं है।

अपडेट केस डायरी से बढ़ेंगी खान सर की मुश्किलें : पुलिस ने इन तमाम बिंदुओं का जिक्र अपनी अपडेटेड केस डायरी में भी किया है। फैजल खान मामले में आगे की कार्रवाई को लेकर 30 जून को पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई होनी है। इधर, 13 जुलाई को खान सर के द्वारा FIR क्वेशिंग के लिए पटना हाईकोर्ट में फाइल की गई याचिका पर भी सुनवाई होगी। कोर्ट ने इस मामले में वरीय अधिकारियों को तलब किया है। हालांकि, इन तथ्यों के सामने आने के बाद फैजल खान की मुश्किलें बढ़ सकती है। पटना हाई कोर्ट में भी मुश्किलें बढ़ सकती है। लोक अभियोजक लगातार फैजल खान उर्फ खान सर और उनके दोनों गार्ड्स की जमानत खारिज करने के लिए बहस कर रहे हैं। बेल का विरोध कर रहे हैं।

पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत, 5 दिनों तक चलेगा विशेष टीकाकरण अभियान, 4000 टीमें गठित

एजेंसी, पटना

- फुलवारी शरीफ सीएचसी से शुभारंभ

पटना में राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का रविवार को औपचारिक शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरुआत फुलवारी शरीफ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) से हुई। पटना के सिविल सर्जन डॉ. योगेंद्र प्रसाद मंडल ने नवजात और पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने सभी बच्चों को समय पर पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं। उन्होंने कहा कि देश को पोलियो मुक्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक टीकाकरण पहुंचाना जरूरी है।

जिले में 4 हजार टीमों की तैनातीः डॉ. मंडल ने बताया कि इस विशेष अभियान को सफल बनाने के लिए पूरे पटना जिले में करीब 4,000 टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें पोलियो बूथों पर बच्चों को दवा पिलाने के साथ-साथ घर-घर जाकर भी उन बच्चों तक पहुंचेंगी, जो किसी कारण से बूथ तक नहीं पहुंच पाते। उन्होंने जोर दिया कि अभियान के दौरान एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए।

5 दिनों तक चलेगा अभियानः सिविल सर्जन के अनुसार, पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण ही है। यह अभियान पांच दिनों तक चलेगा, जिसमें जन्म से लेकर पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी।

आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान विवाद पर विभाग का जवाबः अभियान के दौरान बाढ़ अनुमंडल में आशा कार्यकर्ताओं द्वारा बकाया मानदेय को लेकर सहयोग नहीं करने की खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. योगेंद्र प्रसाद मंडल ने कहा कि विभाग ने मामले की जानकारी मिलते ही कार्रवाई की गई। डॉ. मंडल ने भरोसा दिलाया कि इसका अभियान पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

अभिभावकों से की अपीलः सिविल सर्जन ने कहा, 'स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सभी कर्मियों को समय पर उनका भुगतान मिले। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जन स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यक्रम निर्बाध रूप से संचालित होते रहें।' उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूरे जिले में पल्स पोलियो अभियान पूरी गंभीरता और प्रभावी तरीके से चलाया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और अपने बच्चों को पोलियो की दो बूंद जीवनरक्षक दवा अवश्य पिलाएं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंचेंगी।

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा जूते-चप्पल उतरवा कर चेकिंग

एजेंसी, पटना

- एग्जाम के लिए चलाई गईं 7 स्पेशल ट्रेन 993 पदों के लिए 2.25 लाख अभ्यर्थी शामिल

केंद्रीय चयन पर्षद (CSBC) की ओर से आज बिहार पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा पूरे राज्य में हो रही है। एग्जाम के लिए एंट्री 11 बजे बंद हो गई है। परीक्षा सेंटर में कड़ी सुरक्षा के बीच छात्रों को एंट्री दी गई। मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। जूते-चप्पल खुलवाकर चेकिंग हुई।

लिखित परीक्षा दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक चलेगी। इस भर्ती परीक्षा के तहत 993 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। परीक्षा के लिए करीब 2.25 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यानी एक पद के लिए औसतन लगभग 227 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा।

परीक्षा को कदाचारमुक्त और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। परीक्षा एक ही पाली में आयोजित हुई।

अभ्यर्थियों की एग्जाम सेंटर्स में एंट्री सुबह 10:00 बजे से शुरू हुई, जबकि 11:00 बजे परीक्षा केंद्र का गेट बंद कर दिया गया। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं मिली। इधर, एग्जाम खत्म होने के बाद आरा स्टेशन पर अभ्यर्थियों की भीड़ दिखी।

6 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, नेपाल में बारिश से किशनगंज में बाढ़ जैसे हालात

एजेंसी, पटना

बिहार में भीषण गर्मी की मार झेल रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। प्रदेश में मानसून एकबार फिर एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग ने आज 17 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस बीच रविवार सुबह खगड़िया, जमुई और नालंदा में बारिश हुई, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली। पटना में सुबह-सुबह बादल छाए रहे। बगहा में तेज हवा चलने के कारण गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। विभाग के मुताबिक, अगले 5 दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक, वज्रपात और 40 से 60Kmph की रफ्तार से हवा चलेगी। सीमांचल के कुछ जिलों में भारी बारिश की संभावना है।

अररिया, किशनगंज, सुपौल, कटिहार, पूर्णिया, मधेपुरा और सहरसा में भारी बारिश और तेज हवा चल सकती है। पटना, नालंदा, जहानाबाद समेत कई जिलों में बारिश होगी। इधर नेपाल में हो रही लगातार बारिश के चलते किशनगंज जिले की कई नदियां उफान पर हैं। जिले के दिघलबैंक प्रखंड की करूआमनी पंचायत में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। इससे 8 परिवारों के करीब 80 लोग प्रभावित हुए हैं। शनिवार को भीषण गर्मी के बीच बिहार के 6 जिलों का मौसम बदला। खगड़िया, बेगूसराय, बांका में तेज बारिश हुई। वहीं, नालंदा, मुजफ्फरपुर, बेतिया, मधुबनी में भी बारिश के बाद गर्मी से राहत मिली। इन शहरों में पहले बादल छाए, तेज हवा चली, फिर बारिश शुरू हो गई।

कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम बोले - 'निशांत अपना नाम अच्छे से करें, हॉस्पिटल की व्यवस्था सुधारें'

एजेंसी, पटना

- सदाकत आश्रम में प्रखंड अध्यक्षों का प्रशिक्षण शुरू

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार द्वारा PMCH के प्रिंसिपल को हटाए जाने पर बिहार कांग्रेस की प्रतिक्रिया सामने आई है। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा, 'वह अपना नाम अच्छे से करें, हॉस्पिटल की व्यवस्था सुधारें। अगर काम के लिए उन्हें कोई दायित्व मिला है, तो यह उनकी रिस्पांसिबिलिटी है। आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रखंड अध्यक्षों के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने किया।

350 प्रखंड अध्यक्षों का डिजिटली चयन हुआः राजेश राम ने कहा, 'यह प्रशिक्षण शिविर संगठन को बूथ से लेकर प्रखंड स्तर तक और अधिक सशक्त, सक्रिय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कांग्रेस की विचारधारा और जनसेवा के संकल्प को लेकर हम सभी कार्यकर्ता पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने आगे बताया, 'बिहार में हम लोगों ने प्रखंड अध्यक्षों का चयन सृजन साथी अभियान के माध्यम से किया है। करीब 350 प्रखंड अध्यक्षों का डिजिटली चयन हुआ है।'

राहुल गांधी का तीसरा दौरा बिहार में होगा- राजेश रामः राहुल गांधी के पटना आने को लेकर राजेश राम ने कहा, 'कोटा के बाद तीसरा दौरा बिहार में है। बिहार में छात्रों की गूंज को आवाज देने के लिए राहुल गांधी यहां आ रहे हैं। उनके यहां आने को लेकर अलग-अलग तरीके से तैयारी चल रही है।'

अभियान को सफल बनाने हर एंगल पर काम करेंगे- राजेश रामः उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी ने सभी को लेटर लिखकर यह अपील की है कि इस अभियान को कैसे सफल किया जाए और कैसे समर्थन लिया जाए, इसके हर एंगल पर काम करना है। अभी जो स्थिति चल रही है ऐसे में सभी से अपील करना बहुत जरूरी है। मैं राहुल जी का बहुत ही आभार प्रकट करता हूं कि जिस तरह से उन्होंने एक साल में बिहार को समय दिया, आज भी वह यहां समय देकर अपना योगदान दे रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

विशेष ग्राम सभा में विकास का रोडमैप, उद्योग और पारदर्शी प्रशासन पर जोर

बीएनएम@ रामगढ़वा। बिहार सरकार के निर्देशानुसार रविवार को रामगढ़वा प्रखंड में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पश्चिमी चंपारण के सांसद डॉ. संजय जायसवाल और स्थानीय विधायक बबलू गुप्ता ने क्षेत्र के विकास, प्रशासनिक पारदर्शिता और औद्योगिक प्रगति को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें रखीं। सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि अब प्रखंड कार्यालय में ऑनलाइन जमा होने वाले आवेदनों का निष्पादन हर हाल में 30 दिनों के भीतर किया जाएगा। यदि कोई अधिकारी निर्धारित समयसीमा का पालन नहीं करता है, तो उसे इसका स्पष्ट कारण बताना होगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को आयोजित विशेष शिविरों में पहुंचकर अपने आवेदन ऑनलाइन दर्ज कराएं, ताकि कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे। सांसद ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में 467 एकड़ भूमि उद्योगों की स्थापना के लिए चिन्हित की गई है। यहां विभिन्न औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जाएगी, जिससे स्थानीय युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर मिलेंगे और पलायन पर रोक लगेगी। विधायक बबलू गुप्ता ने अपने संबोधन में महिला सशक्तीकरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि महिलाएं देश के विकास की मुख्यधारा की महत्वपूर्ण भागीदार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सशक्त करने के उद्देश्य से कई योजनाएं संचालित कर रही है। कार्यक्रम की शुरुआत सांसद और विधायक का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत करने के साथ हुई। कार्यक्रम का संचालन बीपीआरओ इंद्रजीत पासवान ने किया, जबकि अंत में मुखिया जीतन सिंह ने सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बीडीओ राकेश कुमार सिंह, हरिमोहन भगत उर्फ राजू भगत, मनोज सिंह, विजय प्रसाद, पुष्पेंद्र तिवारी, राम एकबाल प्रसाद, मुन्नू पाठक सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

नल-जल कनेक्शन से खेत में दौड़ाया गया करंट, बिजली विभाग ने काटा अवैध तार, दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

बीएनएम@ पताही। प्रखंड क्षेत्र के जिहुली पंचायत के वार्ड संख्या-17 में नल-जल योजना के बिजली कनेक्शन का दुरुपयोग कर बगल के मक्का के खेत में जानवरों को रोकने के लिए करंट प्रवाहित किए जाने का मामला सामने आया है। समय रहते इसकी जानकारी बिजली विभाग को मिलने पर विभागीय कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से खींचे गए तार को काटकर हटा दिया, जिससे संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई। बताया जाता है कि नल-जल योजना के विद्युत कनेक्शन से अवैध तरीके से तार जोड़कर खेत में करंट छोड़ा गया था। खेत में इस प्रकार करंट प्रवाहित किए जाने से किसी भी व्यक्ति या मवेशी के करंट की चपेट में आने का गंभीर खतरा बना हुआ था। सूचना मिलने के बाद बिजली विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अवैध तार को हटाया और संबंधित लोगों को सख्त चेतावनी दी। इस संबंध में पताही बिजली विभाग के कनीय अभियंता नरेंद्र कुमार ने बताया कि जिहुली पंचायत के वार्ड संख्या-17 में नल-जल योजना के कनेक्शन से अवैध रूप से तार खींचकर बगल के मक्का के खेत में करंट लगाया गया था, जो किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता था। विभाग द्वारा तत्काल अवैध तार को काटकर हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित लोगों को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई है कि भविष्य में यदि दोबारा ऐसी हरकत की गई तो उनके विरुद्ध विद्युत अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बिजली विभाग ने आम लोगों से भी अपील की है कि बिजली का इस प्रकार अवैध और खतरनाक उपयोग न करें। खेतों में करंट प्रवाहित करना न केवल गैरकानूनी है, बल्कि इससे किसी भी समय जानलेवा हादसा हो सकता है। विभाग ने लोगों से ऐसे मामलों की सूचना तत्काल देने की भी अपील की है, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

पलनवा पुलिस का बड़ा एक्शनः 5 नामजद आरोपी गिरफ्तार, 3 अलग-अलग एफआईआर दर्ज

बीएनएम@ रामगढ़वा/पलनवाः पलनवा थाना पुलिस ने अपराध और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए छोटा पखनहिया गांव के पांच नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में तीन अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि कांड संख्या 134/26 में अफलातून खां के पुत्र इरशाद अली खां (38 वर्ष) और मन्नू खां (30 वर्ष) को नामजद किया गया है। वहीं कांड संख्या 127/26 में मुंडोल खां के पुत्र सत्तार खां (52 वर्ष) तथा उनके पुत्र इस्ताक खां (34 वर्ष) आरोपी हैं। इसके अलावा कांड संख्या 135/26 में भी सत्तार खां को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मामले की गहन जांच जारी है और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की आपराधिक या असामाजिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे तत्वों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जिला के सभी 394 पंचायतों में मनाया गया पंचायत विकास दिवस

» प्रभात फेरी से 'मन की बात' तक रहे विविध कार्यक्रम, ग्राम सभाओं में महिलाओं की रही प्रभावी भागीदारी

प्राप्त संसाधनों का बेहतर उपयोग कर पंचायतों के सर्वांगीण विकास को दें गति : प्रभारी सचिव

बीएनएम@ मोतिहारी

राज्य सरकार के निर्देश पर रविवार को पूर्वी चंपारण जिले की सभी 394 पंचायतों में पंचायत विकास दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रत्येक पंचायत में ग्राम सभा की बैठक आयोजित कर विकास योजनाओं, जनभागीदारी एवं पंचायतों के सतत विकास पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला के चकिया प्रखंड की रामगढ़ महुआवा पंचायत सरकार भवन परिसर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में जिले के प्रभारी सचिव शीर्षत कपिल अशोक, जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, जिला पंचायत राज पदाधिकारी राम जनम पासवान, अनुमंडल पदाधिकारी शिवानी शुभम सहित कई प्रशासनिक पदाधिकारी शामिल हुए। ग्राम सभा की अध्यक्षता पंचायत की मुखिया कबीर खातून ने की। ग्राम सभा को संबोधित करते हुए प्रभारी सचिव ने कहा कि राज्य सरकार पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए पंचायतों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को पंचायत विकास दिवस के तहत ग्राम सभा आयोजित होगी, जिसमें स्थानीय विकास योजनाओं का चयन एवं प्राथमिकताएं तय की जाएंगी। उन्होंने बताया कि पंचायतों के सतत विकास के लिए 17 विकासात्मक विषय निर्धारित किए गए हैं। इनमें पहला विषय 'महिला हितैषी ग्राम पंचायत' है, जिसके तहत इस माह की ग्राम सभा आयोजित की गई। उन्होंने ग्राम सभा में महिलाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति और सक्रिय सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे महिलाओं

की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं के चयन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बन रही हैं।प्रभारी सचिव ने कहा कि पंचायतों के विकास की जिम्मेदारी स्थानीय लोगों की है। योजनाओं का चयन ग्राम सभा करेगी, जबकि प्रशासन आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि पंचायतों के विकास के लिए अब राशि सीधे पंचायतों के खाते में उपलब्ध कराई जाती है। पंचायतें जितनी समृद्ध होंगी, राज्य और देश का विकास भी उतना ही तेज होगा। उन्होंने कहा कि पंचायत विकास दिवस जनजागरूकता बढ़ाने, विकास योजनाओं के चयन एवं क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। जिला प्रशासन पंचायतों के विकास में हरसंभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। ग्राम सभा के दौरान पंचायत सचिव ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राप्त एवं व्यय की गई राशि का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में पंचायत को विकास मद में 45 लाख रुपये प्राप्त हुए थे, जिनमें से 22 लाख रुपये व्यय कर 15 विकास योजनाएं पूरी की जा चुकी हैं। शेष 23 लाख रुपये से प्रगति पर चल रही योजनाओं को शीघ्र पूरा किया जाएगा।उन्होंने बताया कि पंचायत विकास निधि से पंचायत सरकार भवन में पुस्तकालय की स्थापना, छठ घाटों का निर्माण, सड़क एवं पीसीसी निर्माण, विद्यालयों में चहारदीवारी तथा सोलर लाइट लगाने सहित कई विकास कार्य कराए गए हैं। ग्राम सभा में उपमुखिया, सरपंच, सभी 14 वार्ड सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।इससे पूर्व जिले की विभिन्न पंचायतों में जीविका दीदियों ने प्रभात फेरी निकालकर नशामुक्त समाज के निर्माण और शराबबंदी के समर्थन में जनजागरूकता अभियान चलाया। हाथों में तख्तियां एवं जागरूकता संबंधी नारों के माध्यम से ग्रामीणों को मद्यपान के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया।प्रभात फेरी के बाद जिले की सभी पंचायतों में प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों, जीविका दीदियों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की गई तथा पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने पर विशेष बल दिया गया।कार्यक्रम के दौरान पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की समीक्षा, जनभागीदारी बढ़ाने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। जीविका दीदियों ने महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने, नशामुक्त समाज के निर्माण और पंचायत विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया।

रामगढ़वा के दो भाइयों ने 70वीं बीपीएससी में रचा इतिहास, सांसद-विधायक ने किया सम्मानित

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा प्रखंड के अहिरौलिया गांव निवासी शिक्षक गोपाल जी मिश्रा के परिवार के लिए गर्व का क्षण तब आया, जब उनके दोनों पुत्रों ने 70वीं बीपीएससी परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की। बड़े पुत्र विवेक कुमार मिश्रा का चयन असिस्टेंट कमिश्नर (स्टेट इनकम टैक्स) पद पर हुआ है, जबकि छोटे पुत्र दलजीत कुमार मिश्रा प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) के पद पर चयनित हुए हैं। दोनों भाइयों की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। सफलता की जानकारी मिलते ही पश्चिमी चंपारण के सांसद डॉ. संजय जायसवाल तथा सुगौली के विधायक बबलू गुप्ता अहिरौलिया स्थित उनके आवास पहुंचे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने मेधावी भाइयों को फूल-माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया

तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सांसद और विधायक ने कहा कि विवेक और दलजीत की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और परिवार के मार्गदर्शन से बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है। दोनों भाइयों की इस उपलब्धि का श्रेय उनके कठिन परिश्रम और परिवार से मिले संस्कारों को दिया जा रहा है। मौके पर रवि यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और शुभचिंतक मौजूद रहे, जिन्होंने मेधावी परिवार को बधाई दी।

विश्व पटल पर भारतीय रेत कला का गौरवः मधुरेंद्र कुमार को अमेरिका इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से मानद डॉक्टरेट की उपाधि

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत के अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त रेत कलाकार डॉ. मधुरेंद्र कुमार दुनियां के पहले ऐसे अंतर्राष्ट्रीय रेत कलाकार है, जिन्हें उनकी उत्कृष्ट कलात्मक उपलब्धियों और समाज के प्रति रचनात्मक योगदान के लिए अमेरिका इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (एआईयू), हॉलीवुड, कैलिफ़ोर्निया, अमेरिका द्वारा सैंड आर्ट (रेत की कला) के क्षेत्र में ऑनरेरी डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (मानद डॉक्टरेट) की प्रतिष्ठित उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के नियमों के अनुसार विश्वविद्यालय की सीनेट द्वारा प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय ने मधुरेंद्र कुमार के रेत कला के माध्यम से सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक संरक्षण तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की कला को नई पहचान दिलाने में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए यह सर्वोच्च अकादमिक सम्मान प्रदान किया।

यह मानद उपाधि 26 जून 2026 को अमेरिका के 6464 डब्लू. सनसेट बुलेवार्ड, सुइट 550, हॉलीवुड, कैलिफ़ोर्निया 90028, यूएसए स्थित विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में प्रदान की गई। सम्मान स्वरूप जारी प्रमाणपत्र पर विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं चांसलर डॉ. सांग वॉन पार्क तथा रजिस्ट्रार क्युंग बाई एन के संयुक्त हस्ताक्षर अंकित हैं। विश्वविद्यालय द्वारा जारी इस सम्मान का रजिस्ट्रेशन नंबर AIU/6054/2026 है। यह सम्मान मधुरेंद्र कुमार की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों, रचनात्मक उत्कृष्टता तथा रेत कला के माध्यम से समाज और मानवता के प्रति उनके योगदान का वैश्विक सम्मान माना जा रहा है। इस उपलब्धि से न केवल बिहार, बल्कि पूरे भारत का गौरव विश्व मंच पर और अधिक बढ़ा है। कला जगत, सामाजिक संगठनों तथा शुभचिंतकों ने मधुरेंद्र कुमार को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

नेपाल से भारत में अफीम तस्करी विफल, तीन आरोपी गिरफ्तार, दो किलो मादक पदार्थ बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। खुफिया सूचना के आधार पर एसएसबी की 71वीं बटालियन, कोरैया कंपनी मुख्यालय तथा महुआवा थाना पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान सीमा स्तंभ के पास भारतीय सीमा में लगभग 150 मीटर अंदर से दो नेपाली नागरिकों को हिरासत में लिया गया। उनके कब्जे से करीब 2 किलोग्राम (पैकिंग सहित) अफीम जैसी मादक पदार्थ और एक हीरो होंडा मोटरसाइकिल बरामद की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बरामद मादक पदार्थ की खेप नेपाल से तस्करी कर भारत लाई जा रही थी। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी का मामला है। जब्त किए गए पदार्थ की जांच कर उसकी पुष्टि की जाएगी और पूरे नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। संयुक्त टीम ने गिरफ्तार दोनों नेपाली आरोपियों की पहचान कर ली है। इनमें पहला आरोपी 40 वर्षीय दिनेश राम है, जो नेपाल के बारा जिले के लांगड़ा चौक का निवासी है। दूसरा आरोपी 41 वर्षीय सोना लाल पासवान है, जो उसी क्षेत्र का रहने वाला बताया गया है। दोनों से पूछताछ कर तस्करी के नेटवर्क

और अन्य सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने पूर्वी चंपारण (बिहार) निवासी लालबाबू सिंह का नाम उजागर किया। आरोप है कि वह इस तस्करी गिरोह से जुड़ा हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लालबाबू सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जब्त मादक पदार्थ, मोटरसाइकिल और तीनों आरोपियों को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए महुआवा थाना पुलिस के हवाले किया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले में एनडीपीएस अधिनियम सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच कर रही है। साथ ही तस्करी के पूरे नेटवर्क और इसके अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

हरसिद्धि थाना पुलिस ने शराब मामले के वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस ने शराबबंदी कानून के तहत दर्ज एक मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 290/26, दिनांक 01 जून 2026, धारा 30(ए) बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत वांछित अभियुक्त नितेश कुमार, पिता मोहन बिन, निवासी सेवरहा बिन टोली, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

भरत भूषण तिवारी को न्याय दिलाने की मांग पर देवापुर में कैंडल मार्च, सीबीआई जांच की उठी मांग

बीएनएम@ पताही (पूर्वी चंपारण)

भरत भूषण तिवारी मामले में निष्पक्ष जांच एवं दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर रविवार की शाम पताही प्रखंड के देवापुर गांव में युवाओं ने कैंडल मार्च निकालकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जनसुराज नेता नीरज झा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं और ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भरत भूषण तिवारी के चित्र पर पुष्प अर्पित करने तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इसके बाद हाथों में मोमबत्तियां, तख्तियां और बैनर लिए युवाओं ने गांव की विभिन्न गलियों में कैंडल मार्च निकाला। इस दौरान "भरत भूषण तिवारी को न्याय दो", "दोषियों को गिरफ्तार करो" और "निष्पक्ष जांच हो" जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। कैंडल मार्च का नेतृत्व कर रहे जनसुराज

नेता नीरज झा ने कहा कि भरत भूषण तिवारी के साथ हुई घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित जांच कराने तथा दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। प्रदर्शन में शामिल युवाओं ने राज्य सरकार से मामले में हस्तक्षेप की अपील करते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग भी उठाई। उनका कहना था कि निष्पक्ष जांच से ही घटना की सच्चाई सामने आएगी और पीड़ित परिवार का न्याय व्यवस्था पर विश्वास मजबूत होगा। इस अवसर पर रजनीश सिंह, रिंकू जय, सतेंद्र झा, मनोज झा, प्रद्युम्न झा, ध्रुव नारायण झा, आशुतोष झा, कमल सोनी सहित बड़ी संख्या में युवा एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

जून चक्र के पल्स पोलियो अभियान की डीएम ने महादलित टोले से किया शुभारंभ

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले में जून चक्र 2026 के पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने शहर के बरियारपुर वार्ड-44 स्थित महादलित टोला से किया। इस दौरान उन्होंने फीता काटकर अभियान का उद्घाटन किया तथा बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। डीएम श्री यादव ने सिद्धांत, शिवांश और रूद्रा को पोलियो की खुराक पिलाई।जिलाधिकारी ने कहा कि पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को हर हाल में पोलियो की खुराक मिले। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं। कार्यक्रम के दौरान डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि मनोज तुमराडा ने बताया कि जिले में घर-घर

जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए 1,863 टीमों का गठन किया गया है, जबकि 275 ट्रांजिट टीमें भी तैनात की गई हैं। यह अभियान 28 जून से 2 जुलाई तक चलेगा। उद्घाटन समारोह में मौजूद सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार एवं जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी शरत चन्द्र शर्मा ने बताया कि अभियान की सतत और गंभीर मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा कवच से वंचित न रह जाए। वहीं पड़ोसी देशों पाकिस्तान और नेपाल में पोलियो संक्रमण के मामलों को देखते हुए पूरे देश में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाहरी राज्यों एवं अन्य क्षेत्रों से लोगों के आवागमन के कारण बिहार सहित अन्य राज्यों में संक्रमण का खतरा बना हुआ है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क है। सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने बाहरी राज्यों से आने वाले लोगों से अपील की कि वे स्वास्थ्य कर्मियों का सहयोग करें और अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलवाएं। इस अवसर पर राजेश तिवारी, गुंजा कुमारी, डॉ. धर्मेंद्र, डॉ. हर्षिता, नरोत्तम कुमार, अरुण दुबे सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

रामनगर में पथराव से दो सिपाही जख्मी, कई घायल रेफर

स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में, दोषियों की तलाश जारी

बीएनएम@ बगहाः बगहा पुलिस जिला अंतर्गत रामनगर नगर परिषद के वार्ड संख्या-11 स्थित जुलाहा टोली में रविवार को दो पक्षों के बीच उपजे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मामूली बात पर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते ईंट-पत्थर चलने तक पहुँच गया, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुँची, लेकिन उग्र भीड़ द्वारा किए गए पथराव की चपेट में आने से दो पुलिसकर्मी, गोपी चंद्र और गणेश कुमार राम भी घायल हो गए। इसके अलावा स्थानीय निवासी तुलसी कुमार, प्रिंस कुमार, राहुल साह और अक्सीर खान को भी चोटें आईं।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. डी.एस. आर्या ने बताया कि गंभीर रूप से घायल दो व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया गया है, जबकि घायल पुलिसकर्मियों की स्थिति खतरे से बाहर है। घटना की गंभीरता को देखते हुए बगहा पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार और एसडीपीओ रागिनी कुमारी ने स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण किया। सुरक्षा के मद्देनजर इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। एसडीपीओ रागिनी कुमारी ने बताया कि पुलिस टीम पर पथराव करने वाले दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस विवाद के मूल कारणों की जांच में जुटी है और क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में है।

उगन त्रिवेणी कॉलेज के वरिष्ठ लिपिक का निधन

बीएनएम@ समस्तीपुरः समस्तीपुर मोहिउद्दीननगर प्रखंड के बोचहा पंचायत निवासी और उगन त्रिवेणी कॉलेज, चमथा के वरिष्ठ लिपिक राजदेव राय (70 वर्ष) का शनिवार रात निधन हो गया। उनके निधन की खबर से महाविद्यालय परिवार, छात्रों और स्थानीय क्षेत्र में गहरी शोक की लहर दौड़ गई है।स्व. राजदेव राय अपने लंबे कार्यकाल के दौरान अपनी कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और मिलनसार व्यक्तित्व के लिए शिक्षकों व विद्यार्थियों के बीच बेहद लोकप्रिय थे। उन्होंने प्रशासनिक कार्यों को पूर्ण समर्पण के साथ निभाया, जिससे

उन्हें हर वर्ग का सम्मान प्राप्त था। वे अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र और एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।उनके निधन पर प्रो. गणेश प्रसाद सिंह, प्रो. नागेंद्र प्रसाद सिंह, प्रभारी प्राचार्य प्रो. मिलन कुमारी, प्रो. गिरीश कुमार झा समेत महाविद्यालय के समस्त शिक्षक और कर्मचारियों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना जताई है। राजदेव राय के निधन से महाविद्यालय और क्षेत्र ने एक सज्जन व कर्मठ व्यक्तित्व को खो दिया है, जिसकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

'ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण से ही बनेगा विकसित बिहार': श्वेता गुप्ता

सर्वा पंचायत में प्रभारी मंत्री की उपस्थिति में पंचायत विकास दिवस का आयोजन

बीएनएम@ शेखपुराः जिले की सभी ग्राम पंचायतों में सरकार के निर्देशानुसार आज पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 12:00 बजे तक 'पंचायत विकास दिवस' का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं की गहन समीक्षा करना, जनभागीदारी को बढ़ाना और स्थानीय शासन को अधिक सशक्त व जवाबदेह बनाना था।बरबीघा प्रखंड के सर्वा पंचायत सरकार भवन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में बिहार सरकार की प्रभारी मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने विशेष रूप से शिरकत की। यहाँ पंचायत विकास की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (PAI), ई-ग्राम स्वराज और स्थानीयकृत सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन को प्राथमिकता दी गई। महिला सशक्तिकरण और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी मंथन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी शेखर आनंद, पुलिस अधीक्षक हिमांशु और उप विकास आयुक्त संजय कुमार सहित जिला व प्रखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मद्यनिषेध विषय पर आधारित एक जीवंत नुक्कड़ नाटक रहा, जिसके माध्यम से गीत, संगीत और अभिनय द्वारा शराबबंदी के सामाजिक व आर्थिक लाभों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। मद्यनिषेध से संबंधित पोस्टर, बैनर और पंपलेट के माध्यम से नशामुक्त समाज बनाने का संदेश आमजन तक पहुँचाया गया। जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने इस आयोजन को सफल बनाया, जिससे ग्रामीण विकास और सामाजिक सुधार की दिशा में एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण हुआ।

ओएमआर आधारित परीक्षा के निर्णय का विरोध

बीएनएम@ शेखपुराः मुंगेर विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक सेमेस्टर-3 और 5 की परीक्षाएं ओएमआर आधारित कराने के निर्णय का अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने कड़ा विरोध किया है। पूर्व विभाग संयोजक आकाश कश्यप ने इस फैसले को छात्र-हित विरोधी करार देते हुए कहा कि पूर्व में ओएमआर पद्धति के कारण हजारों छात्रों का परिणाम लंबित रहा और

भारी विलंब हुआ था, जिसके चलते सीनेट और सिंडिकेट ने इसे बंद करने का निर्णय लिया था। कश्यप ने आरोप लगाया कि यदि यह निर्णय निजी एजेंसियों को लाभ पहुँचाने के लिए लिया गया है, तो इसकी उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। एबीवीपी ने राज्य सरकार और उच्च शिक्षा विभाग से पुराने निर्णयों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की है और चेतावनी दी है कि यदि छात्रों की उपेक्षा जारी रही, तो संगठन लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होगा।

लायंस क्लब ऑफ बीरगंज मेट्रो सिटी का पदभार ग्रहण समारोह संपन्न, नई टीम ने संभाली जिम्मेदारी

बीएनएम@ रक्सौल/बीरगंज

लायंस क्लब ऑफ बीरगंज मेट्रो सिटी का वर्ष 2025-26 के लिए कार्यालय हस्तांतरण एवं वर्ष 2026-27 के लिए पदभार ग्रहण समारोह शनिवार को बीरगंज स्थित होटल मकालू में भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के निवर्तमान अध्यक्ष लायन उमेश कुमार गुप्ता ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 325S के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर-इलेक्ट (DGE) एमजेएफ लायन राम बिहारी पांडे उपस्थित रहे। समारोह में मल्टीपल कोऑर्डिनेटर पीडीजी पीएमजेएफ लायन डी.एन. अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट एग्जीक्यूटिव चीफ एमजेएफ लायन बसु तिमलसीना, डिस्ट्रिक्ट एग्जीक्यूटिव को-चीफ एवं क्लब के चार्टर प्रेसिडेंट एमजेएफ लायन अशोक कुमार बेरीवाल, एरिया चीफ लायन रामेश्वर

प्रसाद गुप्ता, जोनल चेयरपर्सन लायन डॉ. लक्ष्मी थापा, रक्सौल लायंस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष लायन बिमल सराफ, लायन पूनम सराफ, गाइडिंग लायन नरोत्तम पांडे सहित विभिन्न क्लबों के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में चार्टर प्रेसिडेंट अशोक कुमार बेरीवाल ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि क्लब ने कम समय में समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। समारोह का मुख्य आकर्षण निवर्तमान अध्यक्ष लायन उमेश कुमार गुप्ता द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन पिया सिंह को क्लब की मिनट बुक एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज सौंपकर औपचारिक रूप से पदभार हस्तांतरित करना रहा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन पिया सिंह ने अपने कार्यकाल की वार्षिक कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, युवा नेतृत्व विकास और मानव सेवा को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने नए सदस्यों को जोड़ते हुए नई कार्यकारिणी की भी घोषणा की। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष लायन पिया सिंह, प्रथम उपाध्यक्ष लायन अंकित चौरसिया, द्वितीय उपाध्यक्ष लायन प्रभात आनंद सिंह, तृतीय उपाध्यक्ष लायन राबिन श्रेष्ठ, सचिव लायन नेल्सन भंडारी, संयुक्त सचिव आनंद सिंह, कोषाध्यक्ष लायन खुशबू गुप्ता तथा सदस्य के रूप में लायन श्वेता गुप्ता, लायन कोमल गुप्ता, लायन श्रुति गुप्ता, लायन नवनीता सिंह और लायन संजना बरनवाल शामिल हैं। मुख्य अतिथि डीजीई एमजेएफ लायन राम बिहारी पांडे, मल्टीपल कोऑर्डिनेटर डी.एन. अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट एग्जीक्यूटिव चीफ बसु तिमलसीना तथा जोनल चेयरपर्सन डॉ. लक्ष्मी थापा ने नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि क्लब समाज सेवा के क्षेत्र में और अधिक प्रभावी भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन पिया सिंह ने सफल कार्यकाल के लिए निवर्तमान अध्यक्ष उमेश कुमार गुप्ता को 'टोकन ऑफ लव' भेंट कर सम्मानित किया। समारोह के अंत में निवर्तमान अध्यक्ष उमेश कुमार गुप्ता ने सभी अतिथियों, क्लब सदस्यों, शुभचिंतकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के साथ ही क्लब ने नए नेतृत्व के साथ समाज सेवा के प्रति अपने संकल्प को और अधिक मजबूत करने का संदेश दिया।

कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन

बीएनएम@ गयाजी

गया स्थित उर्दू मध्य विद्यालय, गेवालबिघा में जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा 'नालसा संवाद योजना' पर एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रदीप कुमार मलिक के आदेश और सचिव अरविंद कुमार दास के नेतृत्व में संपन्न हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के सुदूर, वंचित और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को उनकी स्थानीय भाषा में कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें न्याय सुलभ कराना है।इस अवसर पर उपस्थित लोगों को 'स्थायी लोक अदालत' की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि बिजली, पानी, टेलीफोन, बैंकिंग, बीमा और परिवहन जैसी जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े विवादों का त्वरित और किफायती निपटारा स्थायी लोक अदालत के माध्यम से संभव है। इसके निर्णय न्यायालय की डिक्री की तरह प्रभावी होते हैं,

जिससे नागरिकों का समय और धन दोनों बचता है।सचिव ने आमजन से अपील की कि वे निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं का लाभ उठाएं और किसी भी कानूनी समस्या के समाधान के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय से संपर्क करें। साथ ही, उन्होंने लोगों से अपने आसपास के जरूरतमंदों को भी इन सरकारी सेवाओं के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया। शिविर में स्थानीय ग्रामीणों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कानूनी विषयों पर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता, स्वयंसेवक, विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक और प्राधिकार के कर्मचारी उपस्थित थे।

ग्रामसभा में पंचायत विकास और महिला सशक्तिकरण पर चर्चा

अतिक्रमण मुक्ति व नल-जल योजना के लिए पारित प्रस्ताव

बीएनएम@ समस्तीपुर

कल्याणपुर बस्ती पश्चिम पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, छठू टोल टांडा परिसर में 'पंचायत विकास दिवस' के अवसर पर विशेष ग्रामसभा का आयोजन किया गया। पंचायत सचिव रामकुमार पासवान के संचालन में आयोजित इस बैठक में महिला सशक्तिकरण, नल-जल योजना की बदहाली, अतिक्रमण मुक्ति और ग्रामीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।मुखिया संजू कुमारी राय ने पंचायत के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए कहा कि ग्रामसभा की सक्रिय भागीदारी से ही समस्याओं का स्थायी समाधान संभव है। बैठक में अंचल प्रशासन से सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने और उसे भूमिहीन परिवारों के

पुनर्वास हेतु उपयोग करने की मांग रखी गई। इसके अलावा, पीएचईडी विभाग से नल-जल योजना के बकाया मानदेय भुगतान और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने की अपील की गई।ग्रामसभा ने घरेलू हिंसा और बाल विवाह की रोकथाम के लिए वार्ड स्तरीय जनजागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए योजनाओं की प्राथमिकताएं तय की गईं। कार्यक्रम में किसान सभा के जिलाध्यक्ष मनोज प्रसाद सुनील ने 73वें संविधान संशोधन के तहत पंचायतों को मिले अधिकारों को मजबूती से लागू करने का आह्वान किया। बैठक में सरपंच, उपमुखिया, वार्ड सदस्यों सहित बड़ी संख्या में पंचायत कर्मी और ग्रामीण उपस्थित थे।

सोनबरसा पंचायत में मनाया गया पंचायत विकास दिवस

» बिजली संकट पर नहीं हुई चर्चा, ग्रामीणों में नाराजगी

विकास योजनाओं, वित्तीय पारदर्शिता और महिला सशक्तिकरण पर हुई चर्चा

बीएनएम@ हरसिद्धि

प्रखंड क्षेत्र की सोनबरसा एवं हरसिद्धि पकड़िया पंचायतों में रविवार को पंचायत सरकार भवन परिसर में पंचायत विकास दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी गुलशन कुमार एवं पंचायत राज पदाधिकारी आदित्य अंशुल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में पंचायत के विकास कार्यों, वित्तीय प्रबंधन, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के बीच पंचायत स्तर पर विकास की प्राथमिकताओं को लेकर संवाद भी हुआ। मुखिया संध्या तराना ने पंचायत में संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। वहीं बीडीओ गुलशन कुमार

ने कहा कि पंचायत विकास दिवस का उद्देश्य पंचायतों में पारदर्शिता बढ़ाना, योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाना तथा ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करना है। ई-ग्राम स्वराज एवं ई-पंचायत पोर्टल पर दर्ज योजनाओं की जानकारी के साथ वर्तमान एवं प्रस्तावित विकास योजनाओं, पंचायत की आय-व्यय तथा शेष राशि का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में एसडीजी थीम-9 "महिला हितैषी पंचायत" पर विशेष परिचर्चा हुई, जबकि नशा मुक्ति अभियान के तहत सैकड़ों महिला-पुरुषों ने नशा नहीं करने की शपथ ली। हालांकि कार्यक्रम में पंचायत विकास और सरकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई, लेकिन क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती की समस्या पर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने चर्चा करना मुनासिब नहीं समझा। स्थानीय लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी और उमस के बीच अनियमित बिजली आपूर्ति से ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। उनका मानना है कि पंचायत विकास के साथ-साथ बिजली जैसी बुनियादी समस्या के समाधान पर भी गंभीर पहल की जानी चाहिए। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधि, वार्ड सदस्य, पंच, जीविका दीदियां, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविकाएं, शिक्षक, युवा, महिला समूहों के सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

नदी से महिला का शव बरामद, जांच जारी

बीएनएम@ समस्तीपुर

समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र स्थित राजाजान पंचायत के चाकासिम गांव के समीप रविवार को वाया नदी में एक महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार महिला ने नदी में छलांग लगाई थी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेजा।शुरुआत में शव की पहचान नहीं हो सकी थी, लेकिन जांच के बाद मृतका की शिनाख्त रामगामा कमाल निवासी फूल कुमारी देवी, पत्नी प्रमोद राम, के रूप में हुई। मृतका के परिजन सदर अस्पताल पहुँच चुके हैं। थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी है। इस दुखद घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है।

प्रसव कक्ष के सामने जलजमाव से बढ़ी चिंता, मरीजों को हो रही भारी परेशानी

बीएनएम@ पताही

प्रखंड मुख्यालय स्थित पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में जलजमाव की गंभीर समस्या मरीजों और उनके परिजनों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। लगातार हो रही बारिश के बाद अस्पताल परिसर के अंदर पानी जमा हो गया है, जिससे इलाज के लिए आने वाले लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि यह जलजमाव प्रसव कक्ष के ठीक सामने है, जहां प्रतिदिन गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और उनके परिजनों का आना-जाना लगा रहता है। अस्पताल परिसर में लंबे समय तक पानी जमा रहने के कारण मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ गया है। इससे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है। स्वास्थ्य केन्द्र, जहां लोगों को बीमारियों से राहत मिलनी चाहिए, वहीं जलजमाव और गंदगी के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ता नजर आ रहा है। मरीजों का कहना है कि

अस्पताल परिसर के अंदर पानी लगने से विशेष रूप से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों को काफी परेशानी होती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल परिसर में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर वर्ष बारिश के मौसम में यही स्थिति उत्पन्न हो जाती है। थोड़ी सी बारिश होने पर भी परिसर में पानी भर जाता है और कई दिनों तक जमा रहता है। इससे अस्पताल आने वाले मरीजों को फिसलने का खतरा बना रहता है, वहीं प्रसव कक्ष तक पहुंचने में भी महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लोगों का यह भी कहना है कि यदि समय रहते जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई और मच्छररोधी

दवाओं का नियमित छिड़काव नहीं कराया गया, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। अस्पताल जैसे संवेदनशील परिसर में इस तरह की अव्यवस्था स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करती है। स्थानीय नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से मांग की है कि अस्पताल परिसर से तत्काल जलजमाव हटाया जाए, जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, नियमित साफ-सफाई कराई जाए तथा मच्छरों के प्रकोप को रोकने के लिए फॉगिंग और दवा का छिड़काव कराया जाए। ताकि अस्पताल आने वाले मरीजों, गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और उनके परिजनों को सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण मिल सके।

विमानन उद्योग संकट में

खबरों के मुताबिक एयर इंडिया उड़ानों में कटौती, ऑर्डर दिए विमानों की डिलीवरी लेने में देर, और विस्तार योजनाओं पर विराम लगाने जा रही है। इस बीच उसकी सेवाओं की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठे हैं। घाटे की दलील देकर दशकों से एयर इंडिया के निजीकरण के पक्ष में माहौल बनाया गया। कहा जाता था कि नौकरशाहों के अकुशल प्रबंधन और राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण करदाताओं के हजारों करोड़ रुपए डूबाए गए हैं। आखिरकार इन तर्कों की जीत हुई। 2022 में नरेंद्र मोदी सरकार ने एयर इंडिया को टाटा ग्रुप को सौंप दिया। मगर अब हाल यह है कि सिर्फ गुजरे साल में कंपनी को तीन बिलियन डॉलर का घाटा हुआ है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इसके मद्देनजर कंपनी ने उड़ानों में कटौती, ऑर्डर दिए विमानों की डिलीवरी लेने में देर, और विस्तार योजनाओं पर विराम लगाने का फैसला किया है। इस बीच एयर इंडिया की सेवाओं की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं। एक साल गुजरने के बाद भी एआई-171 की हुई दुर्घटना के कारण अज्ञात हैं। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने कहा है कि उड़ान भरने के महज 32 सेकंड बाद हुई इस भीषण दुर्घटना की वजह के बारे में ठोस नतीजे तक पहुंचने में उसे अभी और वक्त लगेगा। उचित ही इसे एएआईबी की दर्दनाक अकुशलता का सबूत बताया गया है। गौरतलब है, एयर इंडिया के निजी हाथ में जाने के साथ भारतीय विमानन क्षेत्र में लगभग ड्यूओपॉली (दो कंपनियों का वर्चस्व) बन गई। उनमें से एक कंपनी- इंडिगो ने पायलटों की कार्यस्थिति संबंधी नियमों को लेकर सेवाओं को ही अस्त-व्यस्त कर देने का जो कथित नजरिया अपनाया, उससे प्रतिस्पर्धा खत्म होने के जोखिम खुल कर सामने आ गए थे। आज सूरत है कि दोनों कंपनियां यात्री किराए में मनमानी बढ़ोतरी करती हैं। यात्रियों के सामने विकल्प ना होने के जितने लाभ हो सकते हैं, उन्हें उठाने के आरोप उन पर लगे हैं। यह तर्क आंशिक रूप से ही सच है कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण यह सब हुआ। ऐसी अवधि कोई नहीं थी, जब ऐसे हालात सामने नहीं आते थे। तब सरकारी विमान कंपनी घाटा सहकर भी यात्रियों के हितों को तरजीह देती थी। मगर अब यात्रियों के हित प्राथमिकता में सबसे निचले पायदान पर हैं। फिर भी विमानन उद्योग संकट में है। इस उद्योग की नाकामी की इससे बड़ी मिसाल और क्या होगी?

शब्दों की शक्ति, विचारों की परिपक्वता और सफलता का शाश्वत सिद्धांत

किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय, औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय। संत कबीर का यह दोहा केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि सफल जीवन का मूलमंत्र है। मानव जीवन में सफलता केवल ज्ञान, धन, पद या प्रतिभा से नहीं मिलती, बल्कि इस बात से भी निर्धारित होती है कि व्यक्ति अपने विचारों को किस प्रकार व्यक्त करता है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि अनेक युद्ध तलवारों से नहीं, बल्कि शब्दों से प्रारंभ हुए हैं और अनेक संघर्ष संवाद से समाप्त हुए हैं। इसलिए शब्दों को सृजन और विनाश दोनों का आधार माना गया है। विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत अपनी बेबाक अभिव्यक्ति, संवाद संस्कृति और विचारशील परंपरा के लिए जाना जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत की कोईभी राय केवल एक राष्ट्र की रायनहीं होती, बल्कि करोड़ों नागरिकों की सामूहिक चेतना की अभिव्यक्ति होती है। यही कारण है कि विश्व समुदाय भारत के विचारों को गंभीरता से सुनता और उनका विश्लेषण करता है। किंतु आज के तीव्र गति वाले डिजिटल युग में बिना सोचे- समझे प्रतिक्रिया देना, अधूरी जानकारी पर राय बना लेना और भावनाओं के प्रभाव में शब्दों का प्रयोग करना एक सामान्य प्रवृत्ति बनती जा रही है। परिणामस्वरूप अनेक छोटी-छोटी बातें बड़े विवादों का रूप धारण कर लेती हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम किसी भी विषय पर राय बनाने से पहले तथ्यों का विवेकपूर्ण अध्ययन करें, परिस्थितियों का मूल्यांकन करें और फिर संतुलित शब्दों में अपनी बात रखें।

साथियों, हर व्यक्ति का अपना दृष्टिकोण होता है। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक अथवा पारिवारिक विषयों पर विचारों की विविधता लोकतंत्र की आत्मा है। किंतु राय बनाना केवल प्रतिक्रिया देना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाना भी है। अक्सर देखा जाता है कि लोग अधूरी जानकारी के आधार पर निष्कर्ष निकाल लेते हैं और बाद में वही निष्कर्ष विवादों का कारण बन जाते हैं। सोशल मीडिया के युग में यह समस्या और भी गंभीर हो गई है, जहाँ एक समाचार, एक वीडियो या एक कथन को बिना सत्यापन के स्वीकार कर लिया जाता है और उस पर तुरंत प्रतिक्रिया दे दी जाती है। विवेकशील व्यक्ति किसी भी विषय को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखता है, तथ्यों का परीक्षण करता है और उसके बाद अपनी राय व्यक्त करता है। यही परिपक्वता व्यक्ति को भीड़ से अलग पहचान दिलाती है।

साथियों, सफल व्यक्तित्वों में एक विशेष गुण पाया जाता है,वे आवश्यकता से अधिक नहीं बोलते। वे जानते हैं कि कम शब्दों में कही गई सारगर्भित बात का प्रभाव अधिक होता है। कम बोलना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मसंयम और बुद्धिमत्ता का परिचायक है। जो व्यक्ति हर विषय पर बिना सोचे बोलता है, उसकी बातों का महत्व धीरे-धीरे कम हो जाता है, जबकि जो व्यक्ति सोच-समझकर बोलता है, उसकी प्रत्येक बात को गंभीरता से सुना जाता है। वास्तव में बुद्धिमान व्यक्ति प्रतिक्रिया देने से पहले परिस्थिति को समझता है, जबकि अपरिपक्व व्यक्ति परिस्थिति को समझने से पहले प्रतिक्रिया दे देता है। यही अंतर सफलता और असफलता के बीच की दूरी सटीकता से तय करता है।

साथियों, व्यक्ति के शब्द उसके व्यक्तित्व का दर्पण होते हैं। हमारी भाषा, हमारे संस्कारों, विचारों और भावनाओं का परिचय देती है। जीवन में हम अनेक प्रकार की परिस्थितियों से गुजरते हैं पारिवारिक संवाद, सामाजिक संबंध, व्यावसायिक बैठकें, सार्वजनिक मंच, मित्रों के साथ बातचीत और मतभेद की स्थितियाँ। प्रत्येक स्थान पर शब्दों का चयन हमारी छवि का निर्माण करता है। एक ही बात को दो अलग-अलग तरीकों से कहा जा सकता है।

पहला तरीका सामने वाले को आहत कर सकता है, जबकि दूसरा तरीका उसी बात को सम्मानपूर्वक स्वीकार्य बना सकता है। इसलिए बोलने से पहले स्वयं से यह पूछना चाहिए कि जो मैं कहने जा रहा हूँ, क्या वह सत्य है? क्या वह आवश्यक है? क्या उसे और बेहतर तरीके से कहा जा सकता है? और क्या उससे किसी की गरिमा को ठेस तो नहीं पहुँचेगी? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक हों, तभी शब्दों को वाणी का रूप देना उचित होगा। साथियों,मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण सत्य यह भी है कि शारीरिक घाव समय के साथ भर जाते हैं, लेकिन कटु शब्दों के घाव वर्षों तक स्मृति में बने रहते हैं। कई बार मजाक, व्यंग्य, क्रोध अथवा आवेश में कहे गए शब्द किसी व्यक्ति के आत्मसम्मान को गहरी चोट पहुँचा देते हैं। बाद में चाहे कितनी भी सफाई दी जाए, उन शब्दों का प्रभाव समाप्त नहीं होता। विशेष रूप से क्रोध की अवस्था में बोले गए शब्द अक्सर जीवनभर के पछतावे का कारण बनते हैं। इसलिए भारतीय संस्कृति में क्रोध के समय मौन रहने और धैर्यपूर्वक विचार करने की सलाह दी गई है। यदि किसी को सलाह दी जाए तो इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हमारे शब्दों से उसके आत्मसम्मान को ठेस न पहुँचे। सही शब्दों का चयन आदेश को भी निवेदन में परिवर्तित कर सकता है और बिना किसी के अहं को आहत किए कार्य संपन्न करा सकता है। साथियों, संवाद की सफलता केवल बोलने में नहीं, बल्कि सुनने में भी निहित होती है। आज अधिकांश लोग समझने के लिए नहीं, बल्कि उत्तर देने के लिए सुनते हैं। यही अनेक विवादों की जड़ है। जब हम किसी की बात पूरी सुने बिना निष्कर्ष निकाल लेते हैं, तब गलतफहमियाँ उत्पन्न होती हैं। प्रभावशाली व्यक्तित्व वाले लोग पहले ध्यानपूर्वक सुनते हैं, फिर विचार करते हैं और उसके बाद अपनी बात रखते हैं। सुनना केवल शब्दों को ग्रहण करना नहीं है, बल्कि सामने वाले की भावनाओं, परिस्थितियों और दृष्टिकोण को समझने की प्रक्रिया है। यही गुण संवाद को विवाद बनने से रोकता है और संबंधों को सटीकता से मजबूत बनाता है। साथियों, हर व्यक्ति के पास विचार होते हैं, किंतु हर व्यक्ति उन्हें प्रभावी ढंग से व्यक्त नहीं कर पाता। यही कारण है कि कुछ लोग भीड़ का हिस्सा बन जाते हैं, जबकि कुछ लोग भीड़ का नेतृत्व करने लगते हैं। प्रभावशाली राय रखने वाले लोग अपनी बात तथ्यों, तर्कों और संतुलित भाषा के साथ प्रस्तुत करते हैं। वे किसी को नीचा दिखाने का प्रयास नहीं करते, बल्कि समझाने का प्रयास करते हैं। उनकी भाषा में आक्रामकता नहीं, आत्मविश्वास होता है; अहंकार नहीं, विनम्रता होती है; और शोर नहीं, स्पष्टता होती है। यही गुण उन्हें सम्मान और स्वीकार्यता दिलाते हैं।

साथियों, संत कबीर की वाणी और भारतीय महाकाव्य महाभारत दोनों हमें शब्दों की शक्ति का महत्व समझाते हैं। इतिहास और साहित्य इस बात के साक्षी हैं कि शब्द संबंधों को जोड़ भी सकते हैं और तोड़ भी सकते हैं। एक प्रसिद्ध कहावत है—शब्द तीर की तरह होते हैं, एक बार निकल जाएँ तो वापस नहीं आते। इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि शब्दों को बोलने से पहले परखा जाए, क्योंकि बाद में उन्हें वापस लेना संभव नहीं होता। हम अक्सर बिना पूरी बात समझे किसी की बात को गलत कह देते हैं, क्योंकि हम समझने के लिए नहीं, बल्कि प्रतिक्रिया देने के लिए सुनते हैं। यह प्रवृत्ति हमें आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती है कि हम अपने संवाद को अधिक परिपक्व और सकारात्मक बनाएं।आज का युग वैश्विक संचार का युग है। एक व्यक्ति द्वारा कही गई बात कुछ ही क्षणों में पूरी दुनिया तक पहुँच सकती है। ऐसे समय में शब्दों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। सोशल मीडिया, सार्वजनिक मंचों और निजी जीवन में कही गई बातें व्यक्ति की प्रतिष्ठा, संगठन की छवि और कभी-कभी राष्ट्र की गरिमा तक को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए संयमित, तथ्यपरक और सकारात्मक संवाद समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। हमें अपने कहे गए शब्दों की जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी चाहिए। यदि हमारी किसी बात से किसी की भावनाएँ आहत होती हैं तो हमें बहाने बनाने के बजाय अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। यही व्यवहार हमें सम्मान और विश्वास का पात्र बनाता है।

अतः यदि हम सम्पूर्ण विश्लेषण का सार निकालें तो स्पष्ट होता है कि सफलता का सबसे प्रभावी सिद्धांत है-कम बोलना, सोच-समझकर बोलना और ऐसे शब्दों का चयन करना जो सम्मान, विश्वास और सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करें। किसी भी विषय पर राय बनाने से पहले विवेकपूर्ण चिंतन, तथ्यों का परीक्षण और परिस्थितियों का सम्यक मूल्यांकन आवश्यक है। छोटी-सी असावधानी कई बार बड़े विवादों का कारण बन जाती है, जबकि कुछ क्षणों का धैर्य और विचारशीलता जीवनभर के सम्मान का आधार बन सकती है। इसलिए बोलने से पहले सोचिए, सोचने से पहले समझिए और समझने से पहले सुनिए। यही सफल संवाद, प्रभावशाली व्यक्तित्व और श्रेष्ठ जीवन का शाश्वत मार्ग है। वास्तव में वाणी वह आभूषण है जो बिना मूल्य के प्राप्त होता है, किंतु उसका सही उपयोग व्यक्ति को अमूल्य बना देता है।

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

कोदो-कुटकी की खेती अपनाएं, पोषण और समृद्धि दोनों पाएं, पारंपरिक धरोहर से आधुनिक पहचान तक

एल. डी. मानिकपुरी

छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि परंपरा में कोदो और कुटकी का विशेष महत्व रहा है। सदियों से आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के भोजन का अभिन्न हिस्सा रहे ये लघु धान्य आज एक बार फिर किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। बदलती जलवायु परिस्थितियों, पोषण संबंधी चुनौतियों और बेहतर कृषि की आवश्यकता के बीच कोदो-कुटकी जैसी मिलेट फसलें भविष्य की खेती का मजबूत आधार बनकर उभर रही हैं।

कोदो (पास्पलम स्क्रोबिकुलेटम) और कुटकी (पैनिकम सुमाट्रेंस) ऐसी फसलें हैं जिन्हें कम पानी, कम लागत और सीमित संसाधनों में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। यही कारण है कि ये छोटे और सीमांत किसानों के लिए आर्थिक सुरक्षा का माध्यम बन रही हैं। कम उपजाऊ, पथरीली और ढालू भूमि में भी इनकी खेती संभव है, जहां अन्य फसलें अपेक्षित उत्पादन नहीं दे पातीं। आज जब दुनिया स्वास्थ्यवर्धक भोजन की ओर लौट रही है, तब कोदो और कुटकी का महत्व और बढ़ गया है। कोदो में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, आयरन और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जबकि कुटकी फाइबर, प्रोटीन, फास्फोरस तथा अन्य खनिज तत्वों से भरपूर होती है। विशेषज्ञों के अनुसार इनका नियमित सेवन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और एनीमिया जैसी समस्याओं के नियंत्रण में सहायक हो सकता है। यही वजह है कि आज इन्हें 'सुपर फूडÓ के रूप में पहचान मिल रही है। छत्तीसगढ़ सरकार भी मिलेट फसलों को

बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वर्ष 2026 में कोदो का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3,200 रुपये प्रति क्विंटल तथा कुटकी का 3,350 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने के साथ इन फसलों की खेती के प्रति उत्साह बढ़ा है। विभागीय जानकारी के अनुसार खरीफ वर्ष 2025 में प्रदेश में कोदो फसल 39.02 हेक्टेयर और कुटकी फसल 38.03 हेक्टेयर रकबे में लगाए गए थे। वैसे विगत खरीफ वर्ष में प्रति हेक्टेयर कोदो की उत्पादन 550 किलोग्राम तथा कुटकी की उत्पादन 675 किलोग्राम दर्ज की गई है। यानी कोदो की उत्पादन 21.46 टन थी, वहीं 25.67 टन कुटकी का उत्पादन हुआ था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भी किसानों से धान के साथ-साथ कोदो, कुटकी और रागी जैसी फसलों का उत्पादन बढ़ाने की अपील की है।

कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि उन्नत तकनीकों को अपनाकर कोदो-कुटकी की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। मानसून की शुरुआत के साथ जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के प्रथम पखवाड़े तक बुवाई, बीजोपचार, कतार पद्धति, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा समय पर खरपतवार नियंत्रण जैसे उपाय किसानों को बेहतर उत्पादन दिला सकते हैं। बढ़ती बाजार मांग, मिलेट आधारित उत्पादों का विस्तार और सरकारी प्रोत्साहन योजनाएं इन फसलों के व्यावसायिक महत्व को लगातार बढ़ा रही हैं। एक समय केवल ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों तक सीमित रहने वाली कोदो-कुटकी आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहचान बना रही हैं। पोषण सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए कोदो और कुटकी अत्यंत महत्वपूर्ण फसलें हैं। आवश्यकता इस बात की है कि किसान आधुनिक तकनीकों के साथ इन पारंपरिक फसलों का उत्पादन बढ़ाएं और उपभोक्ता इन्हें अपने दैनिक भोजन का हिस्सा बनाएं। कोदो-कुटकी केवल अनाज नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज, उत्तम कृषि और समृद्ध भविष्य की आधारशिला हैं। (लेखक सहायक जनसंपर्क अधिकारी हैं।)

लोकसभा परिसीमन का नया फॉर्मूला : प्रतिनिधित्व, संतुलन और लोकतंत्र की नई दिशा

कांतिलाल मांडोत

भारत में लोकसभा सीटों के परिसीमन का मुद्दा लंबे समय से राजनीतिक और संवैधानिक बहस का विषय रहा है। देश की जनसंख्या में लगातार वृद्धि, राज्यों के बीच जनसंख्या वृद्धि की असमान गति तथा उत्तर और दक्षिण भारत के बीच प्रतिनिधित्व के संतुलन को लेकर चिंताओं के बीच प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के एक वर्किंग पेपर ने एक नया और व्यावहारिक मॉडल प्रस्तुत किया है। इस प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा की वर्तमान 543 सीटों की संख्या बढ़ाकर 824 की जा सकती है। विशेष बात यह है कि इस प्रक्रिया में अधिकांश मौजूदा संसदीय क्षेत्रों को यथावत रखा जाएगा और केवल सीमित संख्या में सीटों का पुनर्गठन किया जाएगा। यह प्रस्ताव लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करने के साथ-साथ राजनीतिक विवादों को कम करने का प्रयास भी माना जा रहा है। लोकसभा सीटों का परिसीमन भारतीय लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक सांसद द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली आबादी के बीच संतुलन स्थापित करना होता है। वर्ष 1976 में जनसंख्या नियंत्रण को प्रोत्साहित करने के लिए परिसीमन पर रोक लगा दी गई थी, जिसे बाद में वर्ष 2026 तक बढ़ा दिया गया। अब जब यह अवधि समाप्ति की ओर है, तब नए परिसीमन की आवश्यकता महसूस की जा रही है। हालांकि इस प्रक्रिया को लेकर कई राज्यों, विशेषकर दक्षिण भारत के राज्यों में आशंकाएं रही हैं कि जनसंख्या नियंत्रण में सफलता प्राप्त करने के बावजूद उनकी लोकसभा सीटों का अनुपात घट सकता है, जबकि अधिक जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों को अतिरिक्त राजनीतिक लाभ मिल सकता है। इन्हीं चिंताओं को ध्यान में रखते हुए ईएसी-पीएम की सदस्य डॉ. शमिका रवि और भारतीय सांख्यिकी संस्थान के प्रोफेसर मुदित कपूर द्वारा तैयार किए गए वर्किंग पेपर में एक संतुलित मॉडल सुझाया गया है। प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा सीटों की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत वृद्धि की जाए। वर्तमान 543 सीटों में से 373 सीटों को बिना किसी बदलाव के बनाए रखा जाए तथा केवल 170 सीटों को दो या तीन हिस्सों में विभाजित कर 281 नई सीटें बनाई जाएं। इस प्रकार कुल सीटों की संख्या बढ़कर 824 हो जाएगी। इससे बड़े राज्यों को अतिरिक्त प्रतिनिधित्व मिलेगा, लेकिन परिसीमन का प्रभाव देश की केवल लगभग एक-तिहाई सीटों तक सीमित रहेगा। इस मॉडल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह केवल जनसंख्या को ही आधार नहीं मानता। रिपोर्ट में वर्ष 2009 से 2024 तक के लोकसभा चुनावों के आंकड़ों का अध्ययन कर यह समझने का प्रयास किया गया कि मतदाता भागीदारी किन कारकों से प्रभावित होती है। इसके आधार पर संसदीय क्षेत्र का भौगोलिक आकार, शहरीकरण का स्तर, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की आबादी, भाषाई विविधता तथा मतदान केंद्रों की उपलब्धता जैसे तत्वों को भी परिसीमन की प्रक्रिया में शामिल करने का सुझाव दिया गया है। इससे प्रतिनिधित्व की गुणवत्ता बढ़ाने और प्रशासनिक सुविधा सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में इस मॉडल के प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। राजस्थान की लोकसभा सीटें 25 से बढ़कर 38 हो सकती हैं। इसके लिए जयपुर, जयपुर ग्रामीण, सीकर, जोधपुर, उदयपुर, चूरू और बांसवाड़ा जैसी बड़ी सीटों का पुनर्गठन कर नई सीटें बनाई जा सकती हैं। इसी प्रकार मध्यप्रदेश में सीटों की संख्या 29 से बढ़कर 44 होने का अनुमान है, जहां इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, धार, रतलाम और मंडला जैसे क्षेत्रों में नए संसदीय क्षेत्र बनाए जा सकते हैं। छत्तीसगढ़ में वर्तमान 11 सीटों की संख्या बढ़कर 17 हो सकती है। इससे उन क्षेत्रों को भी बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा जहां जनसंख्या और भौगोलिक विस्तार दोनों तेजी से बढ़े हैं। इस प्रस्ताव का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक पहलू उत्तर और दक्षिण भारत के बीच संतुलन बनाए रखना है। पिछले कई वर्षों से यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि यदि केवल जनसंख्या के आधार पर परिसीमन किया गया तो उत्तर भारत के राज्यों का प्रतिनिधित्व काफी बढ़ जाएगा, जबकि दक्षिण भारत के राज्यों का अनुपात घट सकता है। इससे संघीय ढांचे और राजनीतिक संतुलन पर प्रभाव पड़ने की संभावना है। नया मॉडल इस चिंता को कम करने का प्रयास करता है क्योंकि इसमें सीटों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ मौजूदा क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर समाप्त या पुनर्गठित नहीं किया जाएगा। इससे राजनीतिक और सामाजिक असंतोष को सीमित रखा जा सकेगा। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि परिसीमन की प्रक्रिया 2027 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर की जाए। चूंकि पिछली जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण समय पर नहीं हो सकी थी, इसलिए नए और अद्यतन आंकड़ों के आधार पर प्रतिनिधित्व तय करना अधिक उपयुक्त माना जा रहा है। इससे देश की वास्तविक जनसंख्या संरचना, शहरीकरण और सामाजिक परिवर्तन का सही आकलन किया जा सकेगा। लोकसभा सीटों की संख्या में वृद्धि का एक व्यावहारिक पक्ष भी है। भारत आज विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला लोकतंत्र है। वर्तमान में एक सांसद औसतन लगभग 25 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, जो दुनिया के कई बड़े लोकतंत्रों की तुलना में कहीं अधिक है। जनसंख्या बढ़ने के साथ यह अंतर और बढ़ता जा रहा है। ऐसे में सांसदों की संख्या बढ़ाने से जनता और उनके प्रतिनिधियों के बीच संपर्क मजबूत होगा तथा स्थानीय समस्याओं को संसद तक पहुंचाने की क्षमता भी बढ़ेगी। हालांकि इस प्रस्ताव के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। नई सीटों के निर्माण के लिए संसदीय भवन, प्रशासनिक संसाधन, निर्वाचन प्रबंधन और राजनीतिक सहमति जैसी आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। इसके अलावा सभी राज्यों और राजनीतिक दलों के बीच व्यापक संवाद स्थापित करना भी जरूरी होगा ताकि परिसीमन को लेकर किसी प्रकार का क्षेत्रीय या राजनीतिक विवाद उत्पन्न न हो। लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह आवश्यक है कि प्रतिनिधित्व बढ़ाने की प्रक्रिया सभी पक्षों को विश्वास में लेकर आगे बढ़ाई जाए। कुल मिलाकर ईएसी-पीएम का यह वर्किंग पेपर लोकसभा परिसीमन पर चल रही बहस को एक नई दिशा देता है। यह केवल सीटों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को अधिक संतुलित, समावेशी और प्रभावी बनाने का प्रयास है। यदि इस मॉडल पर गंभीरता से विचार किया जाता है और आवश्यक राजनीतिक सहमति बनती है, तो भारत का संसदीय लोकतंत्र आने वाले दशकों की चुनौतियों का सामना अधिक मजबूती से कर सकेगा।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको लोगों की मदद मिलती रहेगी, जिससे आप काफी राहत महसूस करेंगे। परिवार के साथ आज आप हंसी खुशी पल बिताएंगे। इस राशि के विद्यार्थियों की अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी। नौकरी में कार्यरत लोगों को किसी दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है। आपके भौतिक सुख-साधनों में बढ़ोतरी होगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज घर में किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से किसी खास मुद्दे पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा, साथ ही आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ने की कोशिश करेंगे। करियर में आगे बढ़ने के आज आपके सामने नए अवसर आएंगे। पूर्व निर्धारित कुछ जरूरी काम आज पूरे होंगे।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको नए लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। किसी भी काम को करने से पहले बड़ों की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कम रुचि लेंगे इसलिए उन्हें पढ़ाई-लिखाई में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बिजनेस में विरोधियों से आपको बचकर रहना चाहिए।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके माता-पिता के स्वास्थ्य में सुधार आयेगा। आज आप बढ़ते खर्च को कम करने के लिए नया प्लान बनायेंगे। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे। आज किसी काम को पूरा करने में कुछ समय लग सकता है। रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश करेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को आज अच्छी खबर मिलेगी।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहने वाला है। व्यक्तित्व में निखार आयेगा। आज घर पर अचानक मेहमानों का आगमन होगा। आज आपका ध्यान धार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा। कार्यों में जीवनसाथी के सहयोग से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक बड़ा धन लाभ होने के योग बन रहे है।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज कारोबार में आपको लाभ ही लाभ होगा। स्टेशनरी के काम से जुड़े लोगों को आज बढ़िया मुनाफा होगा। शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। घरेलू काम को निपटाने में आप सफल रहेंगे। आज कार्य योजनाएं समय से पूरी हो जायेंगी।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए राहत पूर्ण रहने वाला है। आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि के कम्प्यूटर शॉप वालों के लिये दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है। आपको किसी बड़ी कंपनी से अच्छा ऑर्डर मिल सकता है। छात्रों को अपनी किसी प्रतिभा के लिए पुरस्कार मिल सकता है। पड़ोसी आपके शुभ कामों में आपकी मदद करेंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आज आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी। आज आप व्यापार को बढ़ाने के लिए जरूरी फैसला लेंगे, जिसका फायदा आने वाले समय में आपको अवश्य मिलेगा। रोजमर्रा के काम समय पर पूरे होंगे।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आज की जाने वाली व्यापारिक यात्रा से अधिक लाभ होगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। ऑफिस में काम को पूरा करने में पूरी तरह से आप सक्षम होंगे। इस राशि के बिजनेस और कॉमर्स के विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बहुत बढ़िया रहेगा, करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीदेंगे। आज शाम आप ऑफिस के गेट-टूगेदर में जा सकते है, जहां आप कुछ नया सीखेंगे जिससे जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे। आज नया वाहन लेने के योग बन रहे हैं।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आज आपको आय के नए स्रोत मिलेंगे। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। आज जीवनसाथी आपकी तारीफ करेंगे, इससे आपके रिश्ते में और मधुरता आएगी। आज आपके धन-संपत्ति में वृद्धि होगी।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा। आज शाम को किसी पारिवारिक समारोह में जाने का मौका मिलेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर बनेंगे। आज सीनियर्स आपके काम से खुश होंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

वैभव सूर्यवंशी की बेखौफ बल्लेबाजी ने कुमार संगकारा को भी किया था हैरान

बताया 14 साल के खिलाड़ी का यादगार किस्सा

एजेंसी, नई दिल्ली

आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। कप्तान श्रेयस अय्यर और टीम प्रबंधन के संकेतों से भी फिलहाल यही माना जा रहा है कि उन्हें शुरुआती मुकाबलों में अवसर मिलने की संभावना सीमित है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का इंतजार कर रहे इस युवा बल्लेबाज को लेकर क्रिकेट जगत में चर्चा लगातार बनी हुई है। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए वैभव ने 776 रन बनाए और सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने का इतिहास रच दिया था। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें भारतीय टी20 टीम में जगह मिली और लगातार तीन श्रृंखलाओं के लिए टीम में चुना गया। इस बीच राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने वैभव सूर्यवंशी से जुड़ा एक दिलचस्प अनुभव साझा किया, जिसने इस युवा बल्लेबाज की निडर मानसिकता और असाधारण प्रतिभा को उजागर कर दिया। उन्होंने बताया कि पहली बार वैभव को देखकर ही उन्हें एहसास हो गया था कि यह खिलाड़ी सामान्य प्रतिभा नहीं रखता। कुमार संगकारा के अनुसार, वह दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर के लिए गुवाहाटी पहुंचे थे, जहां एक छोटे नेट सत्र में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा नई गेंद से अभ्यास करा रहे थे। उनकी रफ्तार और स्विंग को देखते हुए कोई भी बल्लेबाज सामने आने के लिए तैयार नहीं था। तभी 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने खुद आगे बढ़कर बल्लेबाजी करने की इच्छा जताई। संगकारा ने बताया कि जैसे ही वैभव ने बल्लेबाजी शुरू की, हर शॉट के साथ बल्ले से निकलने वाली आवाज किसी गोली की तरह सुनाई दे रही थी। उन्होंने जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा जैसे अनुभवी तेज गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ अंदाज में आक्रामक शॉट लगाए। एक समय ऐसा भी आया जब आर्चर खुद गेंदबाजी रोककर मुस्कुराने लगे, क्योंकि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि इतनी कम उम्र का बल्लेबाज उनकी तेज गेंदों को इतनी आसानी से खेल रहा है। संगकारा ने आईपीएल 2026 का एक और रोचक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 220 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करना था। मैच शुरू होने से पहले वैभव उनके पास आए, आंख मारते हुए बोले कि चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है और टीम मुकाबला जीत जाएगी। इसके बाद ड्रेसिंग रूम में उन्होंने अपने साथियों डोनोवन फरेरा और ल्हुआन-ड्रे प्रिटोरियस से मजाकिया लेकिन आत्मविश्वास भरे अंदाज में कहा कि वह इस मैच में 13 छक्के लगाएंगे और उसके बाद बाकी काम दोनों संभाल लेंगे।

2026 में टी20 रन बनाने में ईशान किशन सबसे आगे

एजेंसी, नई दिल्ली

साल 2026 टी20 क्रिकेट के लिहाज से बल्लेबाजों के लिए बेहद यादगार साबित हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के साथ विभिन्न घरेलू और फ्रेंचाइजी लीगों में कई बल्लेबाजों ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। इस साल अब तक सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन शीर्ष स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 1135 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में भी ईशान का बल्ला जमकर चला और उन्होंने 15 मैचों में 600 से अधिक रन बनाकर अपनी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। इस सूची में दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श हैं, जिन्होंने 1128 रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिन एलन 1072 रन के साथ तीसरे, दक्षिण अफ्रीका के रायन रिकेल्टन 1004 रन के साथ चौथे और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 991 रन बनाकर पांचवें स्थान पर हैं। श्रीलंका के कुसल मेंडिस 958 रन के साथ छठे नंबर पर मौजूद हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 935 रन बनाकर सातवें स्थान पर हैं, जबकि पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम 886 रन के साथ आठवें और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम 872 रन बनाकर नौवें स्थान पर हैं। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन 849 रन के साथ दसवें पायदान पर हैं। इस तरह शीर्ष-10 बल्लेबाजों की सूची में भारत के तीन खिलाड़ियों ने जगह बनाई है। वहीं, युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी फिलहाल 15वें स्थान पर हैं। उन्होंने इस साल केवल आईपीएल में हिस्सा लेते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल रहे। सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने का रिकॉर्ड भी उनके नाम दर्ज है। अब आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 और इंग्लैंड दौरे की पांच मैचों की श्रृंखला में यदि उन्हें खेलने का मौका मिलता है, तो उनके पास इस सूची में तेजी से ऊपर पहुंचने का बेहतरीन अवसर होगा।

वैभव में नया सीखने की जबरदस्त चाहत, लगातार सवाल पूछता है : अभिषेक

एजेंसी, बेलफास्ट

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 15 साल के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह नई चीजें सीखने को लेकर उत्साहित रहता है। वैभव ने पिछले कुछ समय के अंदर ही आईपीएल, अंडर 19 और भारत ए की ओर से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। आयरलैंड दौरे के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किये गये वैभव हो हालांकि पहले टी 20 में अवसर नहीं मिला पर कहा जा रहा है कि उन्हें दूसरे टी20 में अवसर मिलना तय है। वैभव को हालांकि पहले मैच में अंतिम ग्यारह में मौका नहीं मिला, लेकिन टीम की करारी हार के बाद अब उन्हें दूसरे और अंतिम टी20 मैच में डेब्यू कराने की मांग बेहद तेज हो गई है. आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के बाद अभिषेक ने वैभव को लेकर कई बातें कही हैं। अभिषेक ने कहा है कि उन्होंने ड्रेसिंग रूम में उन्होंने अपने व्यवहार से सबका दिल जीत लिया है! अभिषेक ने कहा, 'एक टीम के तौर पर, मुझे लगता है कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उसे सहज महसूस कराएं। वह बहुत छोटा है और मैंने जो महसूस किया, वह हर समय खेलने के लिए बहुत उत्सुक रहता है। वह अभी सीख रहा है. वह लगातार सवाल पूछता है, इसलिए मुझे लगता है कि उसके अंदर वो बात है, जहां वह बहुत सी चीजें सीखना चाहता है। जाहिर है, यह उसके लिए एक सपने जैसा है. इसलिए हम उसे यह महसूस कराने की पूरी कोशिश कर रहे हैं कि वह इस ग्रुप का हिस्सा है।'

महिला टी20 विश्व कप 2028: भारत समेत आठ टीमों ने सीधे बनाई जगह

एजेंसी, नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2028 के लिए भारत सहित आठ टीमों ने सीधे क्वालीफाई कर लिया है। श्रीलंका और स्कॉटलैंड के बीच खेले गए मुकाबले के बाद अगले विश्व कप में स्वतः प्रवेश पाने वाली टीमों की तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई। वर्ष 2026 के महिला टी20 विश्व कप में 12 टीमों को दो समूहों में बांटा गया था। दोनों समूहों की शीर्ष चार-चार टीमों ने अपने प्रदर्शन के दम पर 2028 में पाकिस्तान में आयोजित होने वाले अगले विश्व कप के लिए सीधा टिकट हासिल कर लिया है। ग्रुप-ए से भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष चार में अपनी जगह सुनिश्चित की। वहीं ग्रुप-बी से इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और श्रीलंका ने अगले विश्व कप में सीधा प्रवेश हासिल किया। इन आठ टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में लगातार अच्छा खेल दिखाते हुए अपनी दावेदारी मजबूत साबित की। दूसरी ओर पाकिस्तान का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। टीम अपने समूह में लगातार चार मुकाबले हार गई और पांचवें स्थान पर रही। हालांकि, वर्ष 2028 के महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी पाकिस्तान के पास होने के कारण उसे मेजबान देश के विशेष अधिकार के तहत सीधे मुख्य प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिलेगा।

काशी के नए क्रिकेट स्टेडियम की कुर्सियां होंगी हाईटेक

एजेंसी, वाराणसी

काशी के गंजारी क्षेत्र में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम अपनी अनोखी डिजाइन और आधुनिक सुविधाओं के कारण लगातार चर्चा में बना हुआ है। भगवान शिव की नगरी की सांस्कृतिक पहचान को ध्यान में रखकर तैयार किए जा रहे इस स्टेडियम में हर छोटी-बड़ी व्यवस्था को विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। त्रिशूल के आकार की फ्लडलाइट, डमरू से प्रेरित मीडिया गैलरी और अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ अब यहां लगाई गई हाईटेक कुर्सियां भी आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। स्टेडियम में दर्शकों के लिए लगाई जा रही कुर्सियां सामान्य स्टेडियमों में इस्तेमाल होने वाली कुर्सियों से अलग हैं। इन्हें विशेष ऑर्डर पर पश्चिम बंगाल से मंगाया गया है। निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारियों के अनुसार इन कुर्सियों को इस तरह तैयार किया गया है कि तेज धूप, बारिश या मौसम के बदलाव का इन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इनका रंग लंबे समय तक फीका नहीं होगा और ये वर्षों तक टिकाऊ बनी रहेंगी। इंजीनियरिंग प्लास्टिक से बनी इन कुर्सियों में पराबैंगनी किरणों से सुरक्षा देने वाली तकनीक का उपयोग किया गया है। यही कारण है कि लगातार धूप में रहने के बावजूद इनमें दरारें नहीं आएंगी और न ही इनकी गुणवत्ता प्रभावित होगी। इतना ही नहीं, इन्हें अग्निरोधी बनाया गया है, जिससे आग लगने जैसी स्थिति में भी सुरक्षा का स्तर बेहतर रहेगा।

बिजनेस

'मेड इन इंडिया' सिर्फ लेबल नहीं, क्वालिटी और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक : गोयल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 'मेड इन इंडिया' केवल उत्पाद पर अंकित लेबल नहीं बल्कि गुणवत्ता के प्रति भारत की प्रतिष्ठा और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। गुणवत्ता केवल कंपनियों के प्रदर्शन का पैमाना नहीं बल्कि देश के प्रति राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने लंदन में 27 जून को आयोजित एक कारोबारी सत्र में तमिलनाडु के अंबूर स्थित फ्लोरेंस शू कंपनी के संस्थापक अकील अहमद पनारूना की सफलता का उल्लेख करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्यमी विश्वस्तरीय विनिर्माण के जरिये 'ब्रांड इंडिया' की छवि को वैश्विक स्तर पर मजबूत कर रहे हैं। गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय ग्राहक ने काहिरा एयरपोर्ट पर लक्जरी ब्रांड ह्यूगो बॉस का एक जूता देखा। उसको जूते पर लगे लेबल की जांच करने पर उस पर 'मेड इन इंडिया' अंकित मिला। यह जूता अंबूर स्थित फ्लोरेंस शू कंपनी में तैयार किया गया था। उन्होंने कहा, "जब किसी उत्पाद पर 'मेड इन इंडिया' लिखा होता है तो वह केवल एक कंपनी का नहीं बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है।" गोयल ने कहा कि अकील जैसे उद्यमियों के लिए गुणवत्ता कारोबारी मानक के साथ राष्ट्र के सम्मान और भरोसे से जुड़ी जिम्मेदारी है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर साझा संदेश में कहा कि पनारूना ने भारतीय कारीगरी को दुनिया के प्रतिष्ठित ब्रांड तक पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित किया है।

उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने और 'जीरो लिक्विड डिस्चार्ज' जैसी पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी को अपनाने में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। गोयल ने आगे लिखा, 'लंदन में भारतीय समुदाय और बिजनेस कम्युनिटी के लोगों से मिलकर शाम बहुत अच्छी रही। मैंने भारत और यूके के बीच एक जीवंत पुल के तौर पर भारतीय समुदाय की अहम भूमिका के बारे में बात की, जो आर्थिक, सांस्कृतिक और लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत बनाता है। मैंने 15 जुलाई, 2026 से लागू होने वाले इंडिया-यूके सीईटीए से मिलने वाले मौकों पर भी जोर दिया। इससे व्यापार, निवेश और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग और गहरा होगा, जिससे दोनों देशों की साझा समृद्धि में योगदान मिलेगा।' उल्लेखनीय है कि पीयूष गोयल 25 से 27 जून तक ब्रिटेन की तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर थे, जहां उन्होंने भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के क्रियान्वयन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। यह समझौता 15 जुलाई से प्रभावी होगा। इसके तहत चमड़ा और फुटवियर जैसे श्रम-प्रधान भारतीय उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी।

टॉप 10 कंपनियों के मूल्यांकन में 88,678 करोड़ की बढ़ोतरी

एजेंसी, मुंबई

पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कारोबार के दिन कम होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार में कारात्मक माहौल बना रहा। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 88,678.1 करोड़ का उल्लेखनीय इजाफा देखा गया। इस बढ़त की अगुवाई निजी क्षेत्र के दिग्गज आईसआइरस ICICI बैंक ने की, जो सबसे बड़े विजेता के रूप में उभरा। सप्ताह के दौरान, बीएसई का बेंचमार्क सेंसेक्स 297.57 अंक (0.38 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 42.9 अंक (0.17 प्रतिशत) चढ़ा, जिससे निवेशकों में भरोसा कायम रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति में सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा चुनिंदा खरीदारी जैसे कारकों ने बाजार के माहौल को सकारात्मक बनाए रखा। एशियाई बाजारों में भी माइक्रोन की कमाई और क्वालकॉम के पूर्वानुमान से एआई को लेकर आशावाद बढ़ने से तेजी देखी गई। लाभ कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक शीर्ष पर रहा, जिसका बाजार मूल्यांकन 29,588.75 करोड़ बढ़कर 9,95,610.74 करोड़ रुपए हो गया। इसके बाद, एचडीएफसी बैंक ने 24,718.3 करोड़ का इजाफा दर्ज किया, जिससे उसका मूल्यांकन बढ़कर12,25,981.44 करोड़ पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 12,043.96 करोड़ बढ़कर 17,83,926.92 करोड़ हुआ, जबकि बजाज फाइनेंस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने भी क्रमशः 11,580.28 करोड़ और 9,322.93 करोड़ की वृद्धि दर्ज की। इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो को भी 1,423.88 करोड़ का लाभ हुआ। हालांकि, सभी कंपनियों के लिए सप्ताह अच्छा नहीं रहा। भारती एयरटेल को 35,615.21 करोड़ का सबसे बड़ा नुकसान झेलना पड़ा, जिससे उसका मूल्यांकन गिरकर 11,27,348.09 करोड़ हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम के मूल्यांकन में 21,188.74 करोड़ की गिरावट आई, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (और हिंदुस्तान यूनिलीवर (बाजार पूंजीकरण भी क्रमशः 11,143.71 करोड़ और 5,321.83 करोड़ रुपए कम हुआ। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपना पहला स्थान बरकरार रखा। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

एयर इंडिया जल्द बहाल कर सकती है अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

ईंधन महंगा होने पर लगा दी थी रोक

एजेंसी, नई दिल्ली

एयर इंडिया के एक प्रमुख अधिकारी कैंपबेल विल्सन ने संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और विमान ईंधन की कीमतों में नरमी आने से एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में की गई कटौती को जल्द ही वापस ले सकती है। पिछले महीनों में हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों और बढ़ती ईंधन लागत के कारण एयर इंडिया ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 27 फीसदी और घरेलू उड़ानों में 22 फीसदी की अस्थायी कटौती की थी, जिससे कई मार्गों पर परिचालन लागत बढ़ गई थी। विल्सन ने कर्मचारियों को भेजे एक संदेश में कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष में कमी आई है, जिससे अधिक हवाई क्षेत्र उपलब्ध हुआ है और ईंधन की कीमतों में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने जोर दिया कि यदि यह सकारात्मक रुझान जारी रहता है, तो एयरलाइन हाल की उड़ानों के कार्यक्रम में की गई कटौतियों को वापस लेने में सक्षम होगी, जिससे कुछ शहरों के लिए उड़ानें फिर से शुरू हो सकती हैं। हालांकि, उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि तनाव के फिर से बढ़ने की कोई गारंटी नहीं है। इस बीच, एयर इंडिया इस साल अपने बेड़े में आठ नए या पुनर्निर्मित चौड़ी बॉडी वाले विमान शामिल करेगी, जिसमें जल्द ही आने वाला एक नया बोइंग 787-9 भी शामिल है। विल्सन ने उम्मीद जताई कि ये विमान सेवाओं में सुधार करेंगे और नए रूट शुरू करने में सहायक होंगे, जिससे यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा और एयरलाइन की परिचालन क्षमता बढ़ेगी।

केंद्र सरकार हर उद्यमी को समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है : जीतन राम मांझी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, "भारत सरकार एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां हर उद्यमी को इनोवेशन करने, आगे बढ़ने और राष्ट्र-निर्माण में योगदान देने का समान अवसर मिले।" मांझी ने एमएसएमई दिवस 2026 के अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं भी दीं। शनिवार को नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'एमएसएमई दिवस 2026–उद्यमी भारत' समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान औपचारिकरण, डिजिटल सशक्तिकरण, आसानी से फाइनेंस मिलने, मज़बूत मार्केट लिंकेज, टेक्नोलॉजी अपनाने और इनोवेशन-आधारित विकास पर बना हुआ है। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर को भारतीय अर्थव्यवस्था की ग्रोथ का इंजन माना जाता है और उद्यमी इस ग्रोथ के ड्राइवर हैं। उन्होंने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय डिजिटल सपोर्ट, स्किल डेवलपमेंट, टेक्नोलॉजी और मार्केटिंग लिंकेज जैसी सुविधाएं दे रहा है। उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा, "आप उद्यमी भारत के विकास में भागीदार हैं। एमएसएमई सेक्टर सिर्फ़ कारोबार तक सीमित नहीं है। ये साकार होते सपने हैं, कारोबार में बदलते आइडिया हैं और कड़ी मेहनत से बदलती जिंदगी है।" वहीं, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव भरत खेरा ने इस अवसर पर एमएसएमई सेक्टर का ब्यौरा पेश किया। उन्होंने भारत की आर्थिक वृद्धि में इस सेक्टर की भूमिका पर जोर दिया और मंत्रालय द्वारा लागू की जा रही मुख्य पहलों और योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने एमएसएमई सेक्टर में योगदान देने वाले सभी स्टेकहोल्डर्स की तारीफ़ की। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि एमएसएमई दिवस के कार्यक्रमों का समापन दो तकनीकी पैनल चर्चाओं के साथ हुआ, जिनके विषय थे, "महिला उद्यमिता के नए दौर की शुरुआत" और "स्केलेबल एमएसएमई बनाने में ग्रोथ कैपिटल की भूमिका"।

बेबी डू डाई डू का ट्रेलर जारी: हुमा कुरैशी निभाएंगी भारत की पहली देसी हिटवुमन का रोल, बॉक्स ऑफिस पर होगी ऐल्फा से टक्कर

बेबी डू डाई डू के निर्माताओं ने आगामी क्राइम थ्रिलर का आधिकारिक ट्रेलर जारी कर दिया है. यह ट्रेलर रहस्यों, विश्वासघात और बदले से भरी एक अंधेरी और रहस्यमयी दुनिया की झलक दिखाता है. फिल्म में हुमा कुरैशी भारत की पहली देसी हिटवुमन के रूप में एक अभूतपूर्व भूमिका में नजर आ रही हैं. नाचिकेत सामंत द्वारा निर्देशित यह फिल्म हुमा कुरैशी और उनके भाई साकिब सलीम के बैनर सलीम सिब्लिंग्स के तहत निर्मित पहली फिल्म है. यह फिल्म 3 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, उसी दिन आलिया भट्ट और शरवरी की एक्शन से भरपूर जासूसी थ्रिलर भी रिलीज हो रही है. दो महिला प्रधान हत्यारों की कहानियों के बीच बॉक्स ऑफिस पर एक दुर्लभ टकराव होने जा रहा है. इस टकराव ने ऑनलाइन काफी बहस छेड़ दी है, क्योंकि दर्शक बड़े बजट की जासूसी फिल्मों और अपरंपरागत हत्यारी की कहानी के बीच अपना पक्ष चुन रहे हैं. फिल्म बेबी डू डाई डू का ट्रेलर हुमा के किरदार बेबी से परिचय कराता है, जो एक मूक-बधिर महिला है और अपनी चुप्पी के पीछे एक खतरनाक अतीत को छुपाती है.

अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक ऐसी दुनिया में उसके सफर को दिखाती है जहां भरोसा करना मुश्किल है और हर खुलासे से कहानी में नए मोड़ आते हैं. हुमा ने ट्रेलर में अपने दमदार अभिनय से सबका ध्यान खींचा है, जिसमें उन्होंने डायलॉग्स के बजाय भाव-भंगिमाओं और अभिनय पर अधिक जोर दिया है. वीडियो में तीव्र टकराव, रहस्यमय मिशन और कई रोमांचक क्षण दिखाए गए हैं, जो एक रोमांचक थ्रिलर की झलक देते हैं. अपने किरदार के बारे में बात करते हुए हुमा ने मीडिया से कहा, बेबी ने मुझे उन तरीकों से चुनौती दी जिनकी मैंने उम्मीद नहीं की थी. वह शब्दों पर निर्भर नहीं रहती, इसलिए हर भावना को भीतर से व्यक्त करना पड़ा. कई बार तो चुप रहना भी संवाद के पन्ने बोलने से कहीं ज्यादा मुश्किल लगता था. मुझे बस यही उम्मीद है कि लोग फिल्म को पहले से समझने की कोशिश किए बिना थिएटर में आएं और बस उसके साथ इस सफर का आनंद लें. फिल्म में हुमा के अलावा सिकंदर खेर, चंकी पांडे, रचित सिंह, विद्या मालवदे, मरुधा शेखावत, अरुण कुशवाह और हिमांशु मलिक अहम भूमिकाओं में हैं. सिकंदर खेर ने बताया कि फिल्म का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि किरदार वैसे नहीं हैं जैसे वे पहली नजर में दिखते हैं. उन्होंने कहा, मुझे सबसे ज्यादा यही पसंद आया कि इस फिल्म में कोई भी किरदार वैसा नहीं है जैसा वह दिखता है. हर दृश्य में एक नई परत छिपी है. मुझे लगता है कि कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी, दर्शकों को इसके अलग-अलग पहलुओं को समझने में मजा आएगा. चंकी पांडे ने पटकथा की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि कहानी दर्शकों को लगातार तब चौंकाती है, जब उन्हें लगता है कि उन्होंने इसे समझ लिया है.

'प्रीतम एंड पेड्रो का ट्रेलर रिलीज, साइबर क्राइम केस में उलझे अरशद वारसी; विक्रांत मैसी ने चौंकाया

अरशद वारसी अपनी कॉमेडी से दर्शकों को हंसाते हैं, जल्द ही सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो में उनका ऐसा ही अंदाज नजर आएगा। लेकिन इस बार कॉमेडी के साथ साइबर क्राइम की कहानी भी दर्शकों को देखने को मिलेगी। इस सीरीज के क्रिएटर निर्देशक राजकुमार हिरानी हैं। सीरीज में कई नामी बॉलीवुड एक्टर्स भी नजर आएंगे। यहां, जानिए 'प्रीतम एंड पेड्रो के ट्रेलर में क्या कुछ खास है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि अरशद वारसी गोवा में रहते हैं। वह क्राइम ब्रांच में पुलिस ऑफिसर हैं। लेकिन अचानक उनका ट्रांसफर साइबर क्राइम डिपार्टमेंट में हो जाता है। इस दौरान एक नेता के बेटे को किडनैप कर लिया जाता है। फिरौती मांगने वाली हाइटेक अपराधी हैं। इन्हें पकड़ने के लिए पुलिस ऑफिसर प्रीतम एक हैकर पेड्रो की मदद लेता है। इस सीरीज में विलेन के रोल में विक्रांत मैसी हैं। उन्हें इस तरह के रोल में देखकर दर्शक चौंक जाएंगे। इस सीरीज में अरशद वारसी के अलावा वीर हिरानी हैं, जो पेड्रो का रोल कर रहे हैं। विक्रांत मैसी के अलावा मोना सिंह, बोमन ईरानी भी 'प्रीतम एंड पेड्रो में नजर आएंगे। इनके अलावा सीरीज में सत्यदीप मिश्रा और श्रुति मराठे भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह सीरीज 3 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

क्राइम और सियासत का घातक खेल, 2 जुलाई से स्ट्रीम होगी तेलुगु सीरीज इसकापटनम

तेलुगु-भाषा की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज इसकापटनम ओटीटी पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। यह 1990 के दशक के एक बंदरगाह शहर पर आधारित है, जहां व्यक्तिगत नुकसान, वफादारी, पारिवारिक झगड़ों और राजनीतिक संघर्ष की कहानी दिखाई जाएगी। गुरुवार को सीरीज के मेकर्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि यह सीरीज 2 जुलाई से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। गैरी बीएच द्वारा निर्देशित सीरीज की कहानी को प्रशांत रागाथी ने लिखा है और इसके डायलॉग ताजुद्दीन सैयद ने लिखे हैं। इसमें समुथिरकानी, ऐश्वर्या राजेश, सुनील, नरेश अगस्त्य, मेरिन फिलिप, सुधाकर कोमाकुला, राजीव कनाकला, माइम गोपी, रोहिणी बनर्जी, ज्वाला कोटी, रवि वर्मा और राजा चेम्बोलु अहम भूमिकाओं में हैं। तमाडा मीडिया प्रोडक्शनंस के बैनर तले राहुल तमाडा और साईदीप रेड्डी बोरा द्वारा प्रोड्यूस की गई यह सीरीज 2 जुलाई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। प्राइम वीडियो के ओरिजिनल्स के डायरेक्टर और हेड, निखिल मधोक, ने सीरीज को लेकर बताया, हमारे पास साउथ की फिल्मों और सीरीज की एक बहुत बड़ी श्रृंखला है, जिसमें अलग-अलग भाषाओं, जॉनर और थीम की कहानियां हैं, जो भारत समेत दुनिया भर के अलग-अलग तरह के दर्शकों को पसंद आती है। हम इस सीरीज के जरिए इसे और भी बढ़ा रहे हैं। यह बदले की भावना से भरी एक जबरदस्त क्राइम कहानी है, जिसमें एक दिलचस्प कहानी के साथ-साथ कई परतों वाले और असल जिंदगी से जुड़े किरदार शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया, यह सीरीज गैरी के बेहतरीन निर्देशन में समुथिरकानी और ऐश्वर्या की शानदार एक्टिंग और एक प्रतिभाशाली कास्ट के साथ इस रॉ और दिलचस्प दुनिया को स्क्रिन पर बहुत शानदार तरीके से दिखाया गया है। तमाडा एक बेहतरीन पार्टनर रहे हैं, जिनके साथ हमने एक ऐसी शानदार और असली प्रोडक्शन वाली कहानी बनाई है, जिसके बारे में हमें पूरा भरोसा है कि जब यह प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी, तो दुनिया भर के दर्शक इसे पसंद करेंगे। तमाडा मीडिया प्रोडक्शन के राहुल तमाडा और साईदीप रेड्डी बोरा ने सीरीज को लेकर कहा, इसमें बदले की भावना वाली थ्रिलर का जोश और जुनून है, लेकिन असल में यह कहानी निजी नुकसान, वफादारी, पारिवारिक झगड़ों और राजनीतिक टकराव के बारे में है। हमें लगता है कि ये विषय दुनिया भर के दर्शकों के लिए दिलचस्प और मनोरंजक होंगे। यह सीरीज असलियत पर आधारित है। इसमें पोर्ट टाउन को फिर से बनाने से लेकर किरदारों और कहानी तक, हर चीज एक शानदार और दिलचस्प कहानी कहने के अनुभव में योगदान देती है।

द इंडिया स्टोरी का पहला लुक पोस्टर जारी, श्रेयस तलपड़े-काजल अग्रवाल के किरदारों का खुलासा

फिल्मी पर्दे पर श्रेयस तलपड़े को अक्सर कॉमिक किरदार निभाते देखा जाता रहा है। आगामी फिल्म द इंडिया स्टोरी में दर्शक उन्हें एक गंभीर और चिंताजनक अवतार में देखेंगे। इसका संकेत फिल्म के पहले लुक पोस्टर से मिल गया है। चेट्टन डीके द्वारा निर्देशित और सागर बी शिंदे द्वारा निर्मित-लिखित फिल्म में काजल अग्रवाल भी मुख्य किरदार में हैं। निर्माताओं द्वारा जारी फिल्म के पोस्टर में वह एक सशक्त और आत्मनिर्भर महिला वकील के अंदाज में दिखी हैं। द इंडिया स्टोरी के पोस्टर में श्रेयस एक हताश पिता के किरदार में नजर आए हैं, जो अपनी बीमार बेटी को न्याय दिलाने की कोशिश में लगा है। काजल एक महिला वकील के किरदार में हैं। ऐसा लगता है कि फिल्म में वह अभिनेता के किरदार की इंसाफ की लड़ाई में उनका साथ देंगी। फिल्म खाद्य पदार्थों में मिलावट, रसायनों के दुरुपयोग और उससे जुड़े घोटालों को दिखाएगी। यह 24 जुलाई, 2026 को हिंदी, तेलुगु और तमिल में रिलीज होगी। हाल ही में, फिल्म निर्माताओं को कानूनी नोटिस भेजकर भ्रामक, मानहानिकारक और अप्रमाणित दावे करने का आरोप लगाया गया है। एग्री बिजनेस सेंटर के मालिक भावेश सोढ़ा ने नोटिस में आरोप लगाया है कि फिल्म भारत के कृषि तंत्र को धीमे जहर के स्रोत के रूप में दर्शाती है। उन्होंने सीबीएफसी को नोटिस की एक कॉपी भेजकर प्रमाणन न करने का आग्रह किया है। साथ ही फिल्म का टीजर और अन्य सामग्री को तत्काल हटाने के लिए कहा है।

क्या होता है जब आप रोजाना दांत नहीं साफ करते? दांत साफ नहीं करने पर हो जाते हैं कमजोर

क्या दांतों की देखभाल करना बहुत जरूरी है और इसमें रोजाना कम से कम दो बार दांत साफ करना शामिल है। जब लोग इस आदत को नजरअंदाज करते हैं तो उन्हें मुंह की कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कई लोग सोचते हैं कि सिर्फ सुबह के समय दांत साफ करना जरूरी है, जबकि रात में भी यह उतना ही अहम है। आइए जानते हैं कि रोजाना दांतों की सफाई न करने से क्या-क्या समस्याएं हो सकती हैं।

मुंह की बदबू : मुंह की बदबू एक आम समस्या है, लेकिन यह काफी शर्मिंदगी भरी हो सकती है। ऐसा तब होता है जब आप नियमित रूप से दांत साफ नहीं करते हैं क्योंकि मुंह के अंदर बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जो बदबू का कारण बनते हैं। इसके अलावा खाना खाने के बाद मुंह में खाना फंसने से भी बदबू हो सकती है। इससे बचने के लिए रोजाना दो बार दांत साफ करना जरूरी है।

दांतों का कमजोर होना : रोजाना दांत साफ न करने से दांत कमजोर हो जाते हैं और उनके टूटने की संभावना बढ़ जाती है। जब दांतों की सफाई नहीं होती तो उन पर गंदगी जमने लगती है, जो उन्हें कमजोर कर देती है। इसके अलावा बैक्टीरिया भी पनपने लगते हैं, जिससे दांतों में सड़न और छेद हो सकते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि आप नियमित रूप से दांत साफ करें और अपने दांतों की देखभाल करें।

मसूड़ों की समस्या : अगर आप नियमित रूप से दांत साफ नहीं करते तो इससे आपके मसूड़ों की सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है। गंदगी जमने के कारण मसूड़ों में सूजन, खून आना और दर्द हो सकता है। इसके अलावा मसूड़े कमजोर होकर टूटने लगते हैं, जिससे दांत भी गिर सकते हैं। मसूड़ों की समस्या से बचने के लिए रोजाना दांत साफ करना जरूरी है ताकि गंदगी जमा न हो और मसूड़े स्वस्थ रहें।

पाचन तंत्र पर असर : पेट की समस्याओं का सीधा संबंध मुंह की सेहत से होता है। अगर आप नियमित रूप से दांत साफ नहीं करते तो मुंह के बैक्टीरिया पेट में जाकर वहां भी संक्रमण फैला सकते हैं, जिससे पेट दर्द, गैस, उल्टी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा मुंह की खराब सेहत पाचन तंत्र को भी प्रभावित कर सकती है। इसलिए रोजाना दो बार दांत साफ करना जरूरी है ताकि पेट संबंधित समस्याओं से बचा जा सके।

शरीर की अन्य समस्याएं : मुंह की खराब सेहत केवल मुंह तक सीमित नहीं रहती बल्कि पूरे शरीर पर असर डालती है। बैक्टीरिया खून के माध्यम से पूरे शरीर में फैल सकते हैं, जिससे दिल की बीमारी, शुगर जैसी कई गंभीर रोग हो सकते हैं। इसके अलावा शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो सकती है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि आप नियमित रूप से दांत साफ करें ताकि इन सभी समस्याओं से बचा जा सके।

In historic first, Army duo clinch World Rowing Cup gold for India in Switzerland's Lucerne

New Delhi, Agency: Two Indian Army sportspersons have won India's first-ever gold medal at the World Rowing Cup 2026 being held at Lucerne, Switzerland, topping the men's Lightweight Men's Double Sculls (LM2x) category.

"Historic! India's First Ever. Hav Lakshay and Hav Ujjwal Kumar Singh won India's first-ever World Rowing Cup gold in LM2x at Lucerne - 6:26.09. Proud moment for the Indian Army and the nation!" the Indian Army said on Sunday.

The duo, who have won several international medals in the past, were trailed by Hong Kong and the Netherlands. About 650 rowers from as many as 42 nations are competing across various men's and women's categories at the championships in Lucerne.

The LM2x, according to sports literature, is one of the most highly contested and dynamic boat classes at the Lucerne regattas. The rowers have strict weight limits - where individual scullers cannot weigh more than 70 kg and the crew average must be 70 kg or less, which requires a carefully calibrated blend of explosive power and elite technical efficiency.

The championships are being held on the legendary Rotsee course in Lucerne, often referred to by rowers as "God's Lake" for its well sheltered flat water surface that provides an ideal and fair racing environment.

The two sportspersons belong to the Army Rowing Node (ARN), Pune. It is located at the College of Military Engineering (CME) in Pune and is India's premier international-standard rowing facility with a specific mission to train the Indian Armed Forces' rowing teams for international competitive events, including the Olympics.

Established in 2001 as part of the Army's Mission Olympics, ARN features a man-made rowing channel measuring 2,200 m long and 135 m wide, making it the only facility in India capable of hosting international competitions.

The facility can support around 300 athletes and features a boathouse, a fully-equipped gymnasium, and sports science facilities and is staffed by a professional team comprising coaches, physiotherapists, nutritionists and sports psychologists.

Indian passport holders abroad treated as citizens for using RTI

New Delhi, Agency: Amid the ongoing debate on whether passport is a conclusive proof of citizenship or just a travel document, records of interministerial deliberations in 2010 over who can avail of Right to Information Act, show that MEA and MHA agreed that holders of Indian passports residing abroad can be treated as "citizens" for the purpose of availing of the benefits of information law. It differentiated the passport holders living abroad from Persons of Indian Origin (PIOs) and Overseas Citizens of India (OCIs) saying that the latter two categories cannot take recourse to RTI. The issue of citizenship on RTI applicant was considered by govt as representation was filed in the govt by US-based NRIs who wrote a letter to then PM Manmohan Singh to "recognise the legitimate desire of Indian living abroad to exercise their franchise and to have a voice in the governance of India".

The discussion among various govt departments was confined to the issue of definition of citizen under the RTI Act. The documents revealed that MEA had recognised that attempts had been made by some RTI applicants to bring OCIs under the definition "Indian citizen" for purposes of filing applications under the RTI Act.

But MEA and MHA had agreed that only Indian passport holders living/ working abroad (i.e. NRIs) can seek information under the RTI Act and OCIs are not covered under this definition. As some of the Indian RTI activists based in foreign countries faced problems in filing applications, they approached the Central Information Commission which held meetings with officials to streamline the process.

"At the hearing, MEA said that in MEA's view, the term 'citizens' includes persons holding Indian passports working/ living abroad which means NRIs only. The term does not include OCIs and PIOs. As MHA is the nodal ministry in respect of the subject matters relating to citizenship, OCIs and PIOs, it is imperative to seek the views of MHA. DoPT and MOIA expressed similar views and suggested that the matter may be referred to MHA. On May 12 hearing, MEA had separately conveyed to MHA that the definition of 'citizen' under RTI Act would also include NRIs, not OCIs and PIOs. MEA's views were endorsed by MHA.

Why are fuel prices still high when global crude oil rates have fallen: Kharge

New Delhi, Agency: Congress president Mallikarjun Kharge on Saturday questioned the Narendra Modi government over petrol, diesel and LPG prices despite a sharp fall in global crude oil rates, alleging that consumers were being denied relief even after supply conditions had normalised.In a post on X, Kharge accused the BJP-led government of continuing to burden households while international crude prices had nearly halved from their peak levels during the West Asia conflict. The Congress chief said when the conflict in West Asia was at its peak and crude oil prices had climbed to $138 per barrel, petrol was priced at Rs 94.77 per litre and diesel at Rs 87.67 per litre. "Today, crude oil prices have fallen to $70.71 per barrel. Then why is the Modi government selling petrol at Rs 102.12 per litre and diesel at Rs 95.20 per litre?" Kharge asked.

He also targeted the government over commercial LPG prices, claiming that rates had been sharply increased citing disruptions caused by the conflict, but had not been rolled back despite supply chains returning to normal.

Courts can examine the correctness of answer keys, says Delhi high court

New Delhi, Agency: Delhi high court has asked Central Administrative Tribunal (CAT) to hear afresh a plea by a UPSC exam aspirant who challenged the correctness of answer keys to two questions.

Remitting the matter back to CAT for consideration again, the HC noted that a candidate challenging the correctness of an answer key is not the same as seeking reevaluation of the answer sheet, making it legally viable for courts to intervene if there was a blatant error.

"It is settled law that there is no absolute bar on a court examining such a contention and that, if the suggested answers as per the suggested answer keys are patently incorrect, the court can interfere," a bench of Justices C Hari Shankar and O P Shukla noted, while hearing a plea by an aspirant who took the Indian Forest Service examination conducted by UPSC.

Who is Muzafar Ahmed? Key accused in Red Fort blast with an Al-Qaeda connection

New Delhi, Agency: The National Investigation Agency (NIA) has named Muzafar Ahmed, an absconding paediatrician from Jammu and Kashmir, as one of the key conspirators behind the deadly vehicle-borne bomb blast near Delhi's Red Fort in November 2025 that killed 11 people.

In a supplementary chargesheet filed before a Delhi court, the NIA identified Muzafar Ahmed, also known as Faraz and Zafar, as a founding member of "AGuH (Ansar Ghazwat-ul-Hind) Interim", an alleged offshoot of the Al-Qaeda terror network, news agency PTI reported.

Who is Muzafar Ahmed: According to the NIA, Muzafar Ahmed is a qualified paediatrician with MBBS and MD degrees. He is also the elder brother of co-accused Dr Adeel Ahmed Rather. The anti-terror agency alleges that despite his medical background, Muzafar played a central role in establishing and running the terror module responsible for the Red Fort blast conspiracy.

What does NIA allege... The NIA claims Muzafar was among the principal architects of the conspiracy, along with deceased prime accused Dr Umer Un Nabi, Muzammil, Dr Adeel Ahmed Rather and Mufti Irfan. Investigators say Muzafar attended a secret meeting at Eidgah in Srinagar in June 2022, where AGuH Interim was allegedly formed. The agency has described him as one of the terror outfit's founding members. The probe further alleges that Muzafar was actively involved in the manufacture, testing and storage of TATP (Triacetone Triperoxide)-based improvised explosive devices (IEDs) at a clandestine facility allegedly operated by Umer and Muzammil at Al-Falah University in

Due process followed in engraving six martyrs' names at war memorial: MoD

New Delhi, Agency: "An established and well-defined protocol governs this process, and the defence forces follow these laid-down procedures with due diligence, care and reverence, commensurate with the solemnity of the honour being conferred. Any suggestion that due process was not followed is factually incorrect," the Ministry of Defence said.

The ministry stated that the death of the soldiers during Operation Sindoor was acknowledged immediately after the operation. It added that it was regrettable that an avoidable and unfounded controversy had arisen around this issue.

It further said, "The Indian defence forces remains steadfast in its commitment to honouring every soldier who has offered supreme sacrifice in the defence of the nation." History "The six bravehearts of Operation Sindoor are national heroes, whose courage, devotion to duty and sacrifice will continue to inspire generations of Indians. Their memory shall always be honoured with the dignity, gratitude and reverence it deserves," the ministry added.

1.2 lakh waqf assets under stages of verification

New Delhi, Agency: The time for earning the legal waqf tag for properties that existed before the Waqf Amendment Act 2025 came into effect is running out fast. The cut-off for making corrections for properties whose details are al- ready uploaded ends on June 30. Further, all those who have still not uploaded information on their properties in keeping with the six months' extension granted to them by various tribunals face the risk of missing the bus if they are unable to comply on time as the law does not provide for further extensions.

Amidst this race against time and over one year since the Umeed - the central waqf portal - was launched on June 6, around 5.87 lakh of the over 7.95 lakh waqf properties whose details have been uploaded so far have been approved. As data on the central waqf portal changes on real-time basis, the number reflects the status as of Saturday.

As many as 88,634 properties figure in the category of "rejected by checker or approver and pending with maker" on the portal. According to ministry officials, these include a substantial number of duplicates which will be deleted, while the others have been referred back to the makers for reverification and correction.

A maker is the authorised person who has uploaded the documents. "Re-verifications are being done of all such cases that figure in this category to ensure no genuine case is left out, and any correction can be done if it is required," an official told Media.

According to the data, around 1.19 lakh properties are currently at different stages of verification, from submission to assessment by the approver. State-wise data show that out of 1.34 lakh properties uploaded from West Bengal, around 1.15 lakh have been approved.

AI cyber threat: Centre asks states to tighten digital defences

New Delhi, Agency: Flagging the growing use of artificial intelligence by cybercriminals to launch faster and more sophisticated attacks, the Centre has directed all ministries, states, union territories and key financial regulators to urgently strengthen their cybersecurity framework and review vulnerabilities in their digital infrastructure. The Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) warned that advances in artificial intelligence, including generative AI, large language models (LLMs), autonomous agents and AI-driven automation tools, have significantly altered the global cybersecurity landscape, enabling threat actors to identify weaknesses and execute cyberattacks at an unprecedented scale and speed. The advisory, accompanied by a comprehensive cybersecurity blueprint prepared by the Indian Computer Emergency Response Team (CERT-In), has been circulated to Secretaries of all Central ministries and departments, Chief Secretaries of states and union territories, besides regulators, including the RBI, SEBI, NABARD, IRDAI and the Central Electricity Authority.

Delhi ACB arrests top ex-health official Dr Vatsala Aggarwal in multi-crore health 'scam'

New Delhi, Agency: The Delhi government's Anti-Corruption Branch has arrested former Director-General of Health Services (DGHS) in connection with an alleged multi-crore procurement scam involving medicines, surgical items and medical equipment, officials said.

The arrest of Dr Vatsala Aggarwal on Saturday comes days after the Anti-Corruption Branch (ACB) apprehended Dr Vijay Kumar Ranga in the same case. Ranga was later remanded to four-days police custody by a Delhi court. According to the ACB, the case pertains to alleged large-scale financial irregularities in procurements worth several hundred crores of rupees by the Central Procurement Agency (CPA), functioning under the DGHS. The probe was initiated after the Directorate of Vigilance flagged suspicious transactions and possible procedural violations.

Investigators alleged that procurement of portable X-ray machines, bed sheets and linen, C-arm radiological equipment, anaesthesia workstations, oral rehydration solution (ORS), surgical consumables and medicines were made at highly inflated rates through manipulated tender processes.

The ACB alleged that tailor-made specifications were framed to favour selected suppliers, excluding genuine bidders from the process, resulting in the misuse of public funds running into hundreds of crores. Based on the complaint, the agency registered a case on June 2 under relevant provisions of the Prevention of Corruption Act and criminal conspiracy sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita. Officials said procurement records, tender files and related documents were being scrutinised as part of the investigation.